वर्ष: 3 | अंक: 05 | जयपुर, गुरुवार, 14 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- द्वितीया, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन फिर सुरक्षा में सेंध: चार लोग पकड़े गए...

लोकसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक

दो शख्स दर्शक दीर्घा से कूदे और मची अफरा-तफरी

दिल्ली पुलिस ने कहा, छह लोग हैं इस साजिश में शामिल, दो की तलाश

एक ने धुएं से भरा डिब्बा फेंका: प्रत्यक्षदर्शी

सार्वजनिक दीर्घा में बैठे एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि जब कुछ लोकसभा सदस्य प्रदर्शनकारियों का पीछा कर रहे थे, तो उनमें से एक प्रदर्शनकारी ने सदन के अंदर धुएं से भरा एक डिब्बा फेंक दिया।

2 ने अंदर और 2 ने बाहर किया हंगामा

साजिश में कुल छह लोग शामिल थे। इनमें से दो ने संसद के अंदर और दो ने संसद के बाहर हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में लिप्त बताए गए दो लोग अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक सभी 5 लोग गुरुग्राम में एक जगह रुक थे। ये लोग गुरुग्राम में ललित झा नाम के शख्स के घर पर ठहरे थे। इनमें से पांच लोगों की पहचान हो चुकी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा... उच्चस्तरीय जांच होगी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश की संसद के भीतर निचले सदन में सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में चूक उस वक्त सामने आई, जब दर्शक दीर्घा में बैठे दो शख्स अचानक लोकसभा में कूद गए। संसद भवन पर आतंकवादी हमले की 22वीं बरसी के दिन बुधवार को संसद से जो वीडियो सामने आया है, उसमें एक शख्स को मेजों पर कूदते देखा जा सकता है और सुरक्षाकर्मियों के अलावा हनुमान बेनीवाल सहित कुछ सांसद भी उन्हें पकड़ने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। सुरक्षा की चूक की घटना के बाद दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है। वहीं, संसद के बाहर नारेबाजी कर रहे दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद दर्शक दीर्घा को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है।

घटना के संबंध में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि संसद हमले की बरसी के दिन यह सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन है। बताया जा रहा है कि हमले के लिए पूरी प्लानिंग की गई और इस मामले में छह लोग शामिल हैं, जिनमें से पांच लोगों की पहचान हो चुकी है। लोकसभा की दर्शक दीर्घा में बुधवार को मौजूद दर्शकों ने कहा कि सदन में कूदने वाले दो प्रदर्शनकारी पहले तो चुपचाप बैठे थे, लेकिन अगले ही पल उन्होंने अपनी हरकत से अचानक निचले सदन की कार्यवाही बाधित कर दी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'पांच परतों की सुरक्षा के बावजूद संसद के अंदर इस तरह की घटना स्तब्ध करने वाली थी।'

निजी सहायकों, दर्शकों का प्रवेश बंद

सूत्रों के मुताबिक लोकसभा की सुरक्षा में चूक के बाद सांसदों के निजी सहायकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। साथ ही, दर्शक दीर्घा के तमाम पास रद्द कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

घटना सभी के लिए चिंता का विषय: बिरला

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बुधवार को जो घटना हुई वह गंभीर है और हम सभी के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इसकी उच्चस्तरीय जांच की जा रही है और उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सदन में सुरक्षा को लेकर व्यापक समीक्षा की जाएगी।

काफी पढ़ी-लिखी है आरोपी नीलम

संसद के बाहर से पकड़ी गई एक आरोपी नीलम के छोटे भाई ने कहा कि हमें इस बारे में जानकारी नहीं थी कि वह दिल्ली गई है। हमें तो यह जानकारी थी कि वह अपनी पढ़ाई के लिए हिसार में है। उसने बताया कि नीलम एमए, बी.एड., एम.एड., सीटेट, एम.फिल और नेट एग्जाम पास कर चुकी है। उसने कई बार बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था और किसानों के विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया था।

आरोपियों का किसी भी संगठन से जुड़े होने से इनकार

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में प्रारंभिक जांच विवरण से जानकारी मिली है कि परिसर के अंदर संसद भवन के बाहर पकड़े गए दो लोगों नीलम और अमोल के पास कोई बैग या पहचान पत्र भी नहीं था। इन आरोपियों का दावा है कि वे खुद संसद पहुंचे और उन्होंने किसी भी संगठन से जुड़े होने से इनकार किया है।

एनडीआरएफ के कमांडेंट पीके तिवारी ने कहा कि हमारी टीम मौके पर मौजूद है। हमें सूचना मिली है कि दर्शक दीर्घा में जो लोग बैठे थे वे कूदे और वहां धुएं का गुबार उठा। अभी हम जांच करेंगे और उसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

जरूरी खबर

मानहानि मामला: पूर्व CM गहलोत की याचिका खारिज

जयपुर। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में जारी समन के खिलाफ दाखिल पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की एक अपील बुधवार को खारिज कर दी। एडीजे नागपाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ दाखिल गहलोत की अपील खारिज करते हुए कहा कि आदेश में कोई तथ्यात्मक गलती, अवैधता या निष्कर्ष की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त आपराधिक शिकायत में एसीएमएम द्वारा 6 जुलाई, 2023 को पारित आदेश में कोई तथ्यात्मक गलती, अवैधता या निष्कर्ष की कमी नहीं है।

ये भी देखें...

प्रदेश में रिक्त पड़े पदों के लिए बजेगा चुनाव का बिगुल
पेज-2

शपथ समारोह के बाद खुलने लगेंगे नए मंत्रिमंडल के पत्ते
पेज-3

गोगामेड़ी हत्याकांड: आरोपियों को दबोच, 90% जांच कर चुकी पुलिस

NIA की जांच के केंद्र में गोदारा-लॉरेंस!

हथियार खरीद-फरोख्त और मनी ट्रांजेक्शन की भी होगी पड़ताल

बेधड़क | जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच अब एनआईए के अफसर तीन बिंदुओं पर करेंगे। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने घटना के बाद पांच दिन तक जांच करके लगभग सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जयपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने प्रकरण की 90 फीसदी से ज्यादा जांच करके फाइल एनआईए को सौंप दी है। अब एनआईए के अधिकारी हत्याकांड में दुबई में बैठे रोहित गोदारा की भूमिका, वारदात के लिए लाए गए हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाली चेन और मनी ट्रांजेक्शन की जांच करेगी, क्योंकि राष्ट्रीय एजेंसी ही विदेश में बैठे लॉरेंस गैंग के रोहित गोदारा व नेपाल में बैठे वीरेन्द्र चारण को विदेश एजेंसियों के मार्फत गिरफ्तार करके भारत ला सकती है।

गोदारा ने गोगामेड़ी की हत्या की हत्या बाद फेसबुक पर पोस्ट डालकर हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। इस मामले में एक आरोपी महेन्द्र अभी फरार है, जिसने शूटर रोहित व नितिन को हथियार उपलब्ध कराए थे।

अब तक तीन की मौत और आठ गिरफ्तार

5 दिसंबर को शूटर रोहित राठौड़ और नितिन फौजी सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के घर पर नवीन के साथ आए थे। जहां पर ताबड़तोड़ फायरिंग करके सुखदेव व अपने ही साथी नवीन की हत्या कर दी थी। गोली लगने से घायल गोगामेड़ी के गनमैन अजीत ने इलाज के दौरान मंगलवार को दम तोड़ दिया। वहीं, एक स्कूटी चालक को भी गोली लग गई थी। इस मामले में जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच दिन के भीतर दोनों शूटर, वारदात में शामिल जेल में बंद तीन बदमाश, पनाह देने वाले और फरारी में मदद करने वाले एक महिला समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

सुबह सवा 11 बजे अल्बर्ट हॉल पर होगा समारोह

सीएम व दोनों डिप्टी कल लेंगे शपथ... मोदी, शाह और नड्डा करेंगे शिरकत

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दोनों डिप्टी सीएम दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को सुबह सवा 11 बजे अल्बर्ट हॉल पर आयोजित होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम के लिए भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को न्योता भेजा जा रहा है। अल्बर्ट हॉल के सामने मुख्य मंच बनाया जा रहा है। वहीं, दोनों तरफ दो अन्य मंच बनाए जा रहे हैं। जहां विशेष आमंत्रित सदस्यों और नव निर्वाचित विधायकों के बैठने की व्यवस्था होगी। शपथ ग्रहण समारोह के लिए भाजपा ने प्रदेश के लाखों कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भिजवाया है। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ता शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यक्रम से संबंधित दिशा-निर्देश दिए।

फोटो: पंकज शर्मा

आईपीएस की पहली सूची का काउंटडाउन कल से

रेंज IGP-DIG के साथ बदलेंगे 20 से ज्यादा जिला SP व DCP

- शपथ ग्रहण के बाद आला अफसरों की तबादलों की तैयारी होगी शुरू
- पहला आदेश हो सकता है डीजीपी और सीएस का, फिर जारी होगी तबादला सूची

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 15 दिसंबर को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद में सरकारी महकमों की तबादला सूचियां आनी शुरू हो जाएंगी। सूत्रों का दावा है कि पहला आदेश डीजीपी व मुख्य सचिव का निकल सकता है। इसके बाद में ही आईपीएस व आईएएस अधिकारियों की तबादला सूचियां जारी होंगी। कांग्रेस सरकार से महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत तमाम अफसरों का तबादला होना तय है। आईपीएस अफसरों की पहली सूची में छह रेंज आईजी और कमिश्नर बदल सकते हैं।

जयपुर में बदले जा सकते हैं तीन उपायुक्त

माना जा रहा है कि 20 से ज्यादा जिला एसपी और डीसीपी बदले जाएंगे। इनमें तीन डीसीपी जयपुर में भी बदले जाएंगे। तबादला सूची से पहले सरकार सभी आईपीएस अधिकारियों के कामकाज व उन पर लगने वाले आरोपो का फीडबेक लिया जाएगा। इसके बाद में कई अधिकारियों को नॉन फिल्ड किया जाएगा। पोस्टिंग को लेकर चिंतित कुछ आईपीएस अफसर तो फिल्ड पोस्टिंग के लिए अभी से भाजपा के कद्दावर नेताओं व मुख्यमंत्री से मुलाकात करके जोड़-तोड़ बिठाने में लगे हैं।

पहली बड़ी सूची माह के अंत तक संभव

आईपीएस अफसरों की पहली लंबी तबादला सूची इस महीने के अंतिम सप्ताह या फिर जनवरी माह के पहले सप्ताह में आ सकती है। कांग्रेस सरकार के करीब माने जाने वाले अफसरों ने तो तबादला होने व नॉन फिल्ड पोस्टिंग मिलने की आशंका के चलते कामकाज करना ही बंद कर दिया और आने वाले लोगों से कहने लगे है कि नया अफसर आएगा तो वह ही काम करेगा।

बदले जाएंगे रेंज अफसर और कमिश्नर

सूत्रों ने बताया कि भरतपुर रेंज, अजमेर रेंज, उदयपुर रेंज, कोटा रेंज, बीकानेर रेंज व जयपुर रेंज आईजी बदले जा सकते है। वहीं, जोधपुर कमिश्नर व जयपुर कमिश्नर के बदले जाने की संभावना है, क्योंकि ये सभी कांग्रेस सरकार के करीबी अफसरों में से थे। रेंज व कमिश्नरेट की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों आईजी रेंक के अफसर अंशुमन भौमिया, राहुल प्रकाश, राजेन्द्र सिंह, अशोक गुप्ता, नवज्योति गोगाई, विकास कुमार और हेमंत शर्मा को मिल सकती है।

बदले जा सकते हैं इन जिलों में पुलिस अधीक्षक

आईपीएस सूची में 20 से ज्यादा डीसीपी व एसपी रैंक के अफसर भी होंगे। इनमें सीकर, पाली, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, भिवाड़ी, धोलपुर, अनुपगढ़, कोटा ग्रामीण, अजमेर, नागौर, भरतपुर, धोलपुर, करौली, कमिश्नरेट के तीन डीसीपी, जोधपुर कमिश्नरेट के तीन डीसीपी, झालावाड़, बांरा, भीलवाड़ा, राजसमंद, चितौड़गढ़, सलुंबर, सीएम विजिलेंस में तैनात आईपीएस बदले जाएंगे। जबकि कुछ एसपी रैंक के अफसरों के जिले बदले जाएंगे।

जरूरी खबर

आरएएस 2021: अंकों की पुनर्गणना का दिया अवसर

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस परीक्षा 2021 के 17 नवंबर को जारी हुए साक्षात्कार परिणाम में सफल रहे अभ्यर्थियों को प्राप्त अंकों की पुनर्गणना करने का अवसर दिया है। आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सफल रहे अभ्यर्थियों के प्राप्त अंकों की पुनर्गणना के लिए 15 से 26 दिसंबर की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। पुनर्गणना के लिए 25 रुपए प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान ऑनलाइन ही करना होगा।

प्राध्यापक भर्ती में एग्रीकल्चर का परिणाम जारी

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से बुधवार को प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा 2022 के एग्रीकल्चर विषय का परिणाम जारी किया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। वहीं आयोग की ओर से पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती 2019 के पदों के लिए साक्षात्कार का पांचवा चरण 19 से 21 दिसंबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि पांचवें चरण में 162 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसमें अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति साथ अवश्य लाएं, ऐसा नहीं करने पर उन्हें साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

आधार अपडेशन की तिथि तीन महीने बढ़ाई

बेधड़क, जयपुर। दस साल पुराने आधार कार्ड में निशुल्क अपडेट कराने की समयावधि को लेकर सरकार की ओर से आमजन को राहत दी है। इसके तहत अब यूआईडीएआई ने अवधि को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले यह समयावधि 14 दिसंबर तक थी। आधार अपडेशन की डेड लाइन बढ़ाने से लोगों को राहत मिलेगी। वहीं जो लोग अब तक अपडेशन नहीं करा पाए थे उनके लिए एक और मौका दिया गया है। गौरतलब है कि दस साल से जिन लोगों ने आधार कार्ड अपडेट नहीं कराया है उनका आधार ब्लॉक करने का प्रावधान है। ऐसे में अगर बढ़ाई गई समय अवधि में भी कोई आधार को अपडेट नहीं कराता है तो ऐसे आधार कार्ड ब्लॉक कर दिए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री बनने पर विभिन्न संस्था व संगठनों ने किया दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा का स्वागत

देव दर्शन के बाद कार्यकर्ताओं से की मुलाकात, दी बधाइयां

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में उप मुख्यमंत्री बनने के पहले दिन ही दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा एक्टिव दिखे। दिया कुमारी ने सुबह अपने निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने दिन की शुरुआत आराध्य गोविंददेव के दरबार में धोक लगाकर की। इसके अलावा उन्होंने जयपुर के कई प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की।

दीया कुमारी मंगलवार रात जब जयपुर के सिटी पैलेस पहुंचीं तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। दीया कुमारी की मां पद्मिनी देवी भावुक हो गईं और उन्हें गले लगा लिया। वहीं दीया कुमारी के छोटे बेटे लक्ष्यराज प्रकाश सिंह भी उनसे गले मिले और बधाई दी। इसके साथ ही सिटी पैलेस, जयगढ़ के स्टाफ ने भी उनका स्वागत किया।

दोनों नवनिर्वाचित डिप्टी सीएम रहे एक्टिव

महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि रखा जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के रूके विकास कार्यों को पुन: पटरी पर लाने के लिए प्रयास होंगे। दीया कुमारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर वन बन गया है और जो अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में महिला अपराध बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। प्रदेश में जहां भी ऐसी घटना हुई है, वहां भाजपा की टीम पहुंची है। पीड़ित या पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए भाजपा की टीम ने पूरा प्रयास किया है। कांग्रेस की सरकार गहरी नींद में सो रही थी। भाजपा के संकल्प पत्र में भी यह स्पष्ट है कि महिला अपराध बिल्कुल भी सहा नहीं जाएगा।

सभी वर्गों को साथ लेकर चलना प्राथमिकता: बैरवा

प्रदेश में मनोनित उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की होगी। बैरवा ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि निवर्तमान कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को महिलाओं और दलितों के खिलाफ अपराध में नंबर-वन बना दिया और अब लोगों को उसके कुशासन से छुटकारा मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम कानून-व्यवस्था में सुधार करने पर काम करेंगे। राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध और दलित उत्पीड़न में सबसे आगे था। अब नई सरकार कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए काम करेगी। हम समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे।

पार्टी आलाकमान की ओर से संकेत मिलने का इंतजार

भाजपा ने खोले पत्ते, कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष पर अभी सस्पेंस

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी शिकस्त झेल चुकी कांग्रेस अब विधानसभा में भी मुकाबला करने के लिए अपने नेताओं के नाम सामने लाने में पिछड़ रही है।

कांग्रेस की ओर से अब तक नेता प्रतिपक्ष और उपनेता प्रतिपक्ष का नाम घोषित नहीं किया गया है। जबकि भाजपा ने मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के नाम की घोषित करने के बाद 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच बड़ा सवाल यही है कि जिस तरह भाजपा ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बनाकर सबको चौंकाया है, क्या कांग्रेस भी वैसे ही चौंकाने वाले नाम सामने लाएगी या फिर उन्हीं चेहरों में से ये दो नाम घोषित किए जाएंगे, जिनका नाम सुर्खियों में है।

नेता प्रतिपक्ष के लिए फिलहाल कांग्रेस में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दोनों से सीनियर हैं, लेकिन जानकारों का कहना है कि 2013 से 2018 तक जब कांग्रेस विपक्ष में थी तब भी उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बनने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ऐसे में सचिन पायलट और गोविंद डोटासरा का नाम इस दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है।

शांति धारीवाल और हरीश चौधरी भी इस दौड़ में हैं। वहीं उपनेता प्रतिपक्ष पद को लेकर भी कांग्रेस में लंबी रेस चल रही है। उपनेता प्रतिपक्ष के लिए पूर्व सभापति और विधायक राजेंद्र पारीक, पूर्व मंत्री बृजेंद्र ओला, दयाराम परमार, टीकाराम जूली, जुबैर खान और हरिमोहन शर्मा सहित कई नेता दौड़ में बताए जा रहे हैं।

इसके साथ ही सचेतक पद को लेकर भी कई नेता लॉबिंग में जुटे हैं।

विधानसभा में भाजपा से मुकाबले के लिए मजबूत नेता प्रतिपक्ष की तलाश

आलाकमान पर छोड़ा कांग्रेस ने फैसला

नेता प्रतिपक्ष को लेकर पिछले दिनों विधायक दल की बैठक रखी गई थी। हालांकि, उस बैठक में एक लाइन का प्रस्ताव पास किया गया था। प्रस्ताव में यह तय किया गया था कि नेता प्रतिपक्ष का नाम तय करने का जिम्मा आलाकमान पर छोड़ा गया है। ऐसे में अब दिल्ली से ही यह नाम तय होंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि इसमें अभी एक-दो दिन का समय लग सकता है।

युवाओं को सौंपी जानी चाहिए बागडोर: पायलट

कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष का चेहरा किसी युवा को बनाया जाएगा यह देखे जाने वाला फैसला है। क्योंकि पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट बयान दे चुके हैं कि युवा नेताओं को बढ़ावा देना चाहिए। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि युवाओं को बागडोर सौंपी जानी चाहिए ताकि हम युवा पीढ़ी को विश्वास में ले सकें। उन्होंने कहा था कि सभी की कड़ी मेहनत के बावजूद कुछ कमियां थी, जो पार्टी की हार का कारण बनीं। क्या कमियां थीं और उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है, हमें इसका विश्लेषण करना होगा।

आज से 15 की शाम तक प्रवेश बंद

रामनिवास बाग में होगा शपथ ग्रहण समारोह, यातायात में बदलाव

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री का शुक्रवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह अल्बर्ट हॉल के सामने रामनिवास बाग में आयोजित होना प्रस्तावित है। शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को सुबह 7 से 15 दिसंबर को दोपहर 3 बजे तक तक रामनिवास बाग के अन्दर संचालित होने वाला यातायात बंद रहेगा। राम निवास बाग के बाहरी रास्तों पर अति आवश्यक सेवाओं के वाहनों का आवागमन निर्वाध रहेगा।

एसएमएस अस्पताल में दिखाने के लिए मरीज एवं उनके परिजन आ-जा सकेंगे। त्रिमूर्ति सर्कल जेएलएन मार्ग की तरफ से आने वाले सामान्य यातायात को आरोग्य पथ तिराहा से सूचना केन्द्र की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। सूचना केन्द्र तिराहा से आरोग्य पथ तिराहा की तरफ जाने वाले यातायात को सीधा टोंक रोड़ पर संचालित किया जाएगा। सांगानेरी गेट की तरफ से रवीन्द्र रंगमंच, एमडी रोड से म्यूजियम रोड़ और रामनिवास बाग में एमजीडी की तरफ का गेट बंद रहेगा। न्यू गेट, एमआई रोड, सांगानेरी गेट से रामनिवास बाग से निकले वाले यातायात को डायवर्ट कर एमआई रोड़ से संचालित किया जाएगा। वहीं 15 दिसंबर को को रोडवेज एवं पाईवेट बसों का

संचालन सुबह 7 बजे से अग्रांकित अनुसार होगी। जिसमें आगरा रोड़ पर संचालित होने वाली रोडवेज एवं प्राईवेट बसे सिन्धी कैम्प से अजमेर रोड सोडाला चौराहा, 200 फुट चौराहा, किसान धर्म कांटा न्यू सांगानेर रोड, बी-2 बाईपास, जवाहर सर्किल, जगतपुरा सीबीआई फाटक, खो-नागोरियान रोड़, आगरा रोड़ से आ व जा सकेगी। दिल्ली रोड़ पर संचालित होने वाली रोडवेज एवं प्राईवेट बसें सिन्धी कैम्प, झोटवाड़ा रोड़, सीकर रोड़, रोड नं 14 से एक्सप्रेस हाई-वे, चंदवाजी से दिल्ली रोड पर आ व जा सकेगी। अजमेर रोड़ पर संचालित होने वाली रोडवेज एवं प्राईवेट बसे सिन्धी कैम्प से अजमेर रोड 200 फुट चौराहा से अजमेर रोड़ पर आ व जा सकेगी। टोंक रोड़ पर संचालित होने वाली रोडवेज एवं प्राईवेट बसे सिंधी कैम्प से अजमेर रोड से सोडाला चौराहा, 200 फुट चौराहा, किसान धर्म कान्टा, न्यू सांगानेर रोड़, बी-2 बाईपास चौराहा से टोंक रोड पर आ व जा सकेगी।

सीएस ने मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर ली बैठक

प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के नव निर्वाचित मुखयमंत्री और मंत्रीमंडल सदस्यों के 15 दिसंबर को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

पीएम के इस दौरे को लेकर बुधवार को मुख्य सचिव उषा शर्मा ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों से सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा एवं सफाई व्यवस्था सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियों के बारे में मुख्य सचिव को अवगत कराया। सीएस शर्मा ने प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के आवागमन के रूट प्लान, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, फायर फाइटिंग सिस्टम और संचार व्यवस्था को लेकर भी सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

---

19 टीमें होंगी शामिल, नामी खिलाड़ी भी दिखेंगे मैदान पर

अखिल भारतीय डाक क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

बेधड़क | जयपुर

34वीं अखिल भारतीय डाक क्रिकेट टूर्नामेंट गुरुवार से शुरू होगा जो कि 20 दिसंबर तक चलेगा। निदेशक डाक सेवाए मुख्यालय अनुब्रता दास ने बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी के ग्राउंड पर सुबह 9 बजे होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय सिंह, पोस्टमास्टर जनरल, दक्षिणी क्षेत्र अजमेर एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं राजस्थान क्रिकेट एकेडमी निदेशक पंकज सिंह होंगे। वहीं प्रतियोगिता का समापन

मैच भी जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में ही खेला जाएगा। इस मौके पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि पोस्टमास्टर जनरल पश्चिमी क्षेत्र सचिन किशोर जोधपुर होंगे। टूर्नामेंट में कुल टीमें भाग लेंगी। इसमें मेजबान राजस्थान के अलावा देश के कई राज्यों की टीमें शामिल होंगी। टूर्नामेंट में लगभग 25 मैच होंगे, जिसमे फाइनल 2 सेमीफाइनल, 4 क्वार्टर फाइनल एवं लगभग 18 लीग मैच होंगे। इस बार राजस्थान टीम की कप्तानी पूर्व रणजी कप्तान विनीत सक्सेना कर रहे हैं, जो टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षण होंगे।

इसके अतिरिक्त राजस्थान की टीम में दुबई में आयोजित आईपीएल के खिलाड़ी चंद्रपाल सिंह भी भाग ले रहे हैं पूर्व रणजी खिलाडी अजीम अख्तर, नरेश गहलोत, रजत छपरवाल एवं वर्तमान रणजी टीम के सदस्य सौरभ चौहान भी राजस्थान डाक क्रिकेट टीम का हिस्सा होंगे।

कबड्डी-बैडमिंटन लीग का आगाज जनवरी में

स्पोर्ट्स विला अकादमी में जयपुर फिजियो लीग की तरफ से हो रहे कबड्डी-बैडमिंटन और क्रिकेट लीग सीजन-3 का आगाज 26 जनवरी को होगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर रखी गई है। फिजियो यूनिटी क्लब के ऑर्गेनाईजर ने बताया कि डॉ. गौरव अग्रवाल, डॉ. विश्वेश दवे एवं डॉ जीशान अली ने बताया की लीग में लगभग 2000 खिलाड़ी भाग लेंगे।

निकायों एवं पंचायती राज के उपचुनाव जनवरी में

प्रदेश में रिक्त पड़े पदों के लिए बजेगा चुनाव का बिगुल

बेधड़क | जयपुर

सरपंच के 20, उप सरपंच के 24, पंचों के 265, एक प्रधान और पस सदस्य के सात पदों के लिए आजमाएंगे भाग्य

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के बाद अब नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव का बिगुल बजेगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. मधुकर गुप्ता ने बुधवार को सचिवालय में प्रेस वार्ता कर चुनाव से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में रिक्त पदों पर अविलंब उपचुनाव करवाने की हैं, ताकि इन पदों पर लम्बे समय के लिए रिक्तियां

नहीं रहें। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष, सरल, सुगम एवं किफायती बनाने के लिए आयोग प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में 31 अगस्त तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों में नगरीय निकायों में सदस्य के 08, पंचायती राज संस्थाओं में सरपंच के 20, पंच के 265, उप सरपंच के 24, प्रधान के एक, पंचायत समिति सदस्य के सात पदों के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

किस पद के लिए कब होगा मतदान

इसके अनुसार सरपंच एवं पंच के उपचुनाव के लिए मतदान एवं मतगणना 10 जनवरी 2024 को होगी और उपसरपंच का चुनाव 11 जनवरी को होगा। वहीं पंचायत समिति सदस्य के पद के लिए भी मतदान 10 जनवरी एवं मतगणना 11 जनवरी और प्रधान के पद के लिए चुनाव 12 जनवरी को होगा। साथ ही नगरीय निकायों के सदस्यों के लिए भी मतदान 10 जनवरी को एवं मतगणना 11 जनवरी को होगी।

गुप्ता को मिला 'इलेक्शन कमिश्नर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. गुप्ता को बीते दिनों पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय चुनावी मामलों की 19वीं कॉन्फ्रेंस में 'इलेक्शन कमिश्नर ऑफ द ईयर' के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. गुप्ता को यह सम्मान विश्व स्तर पर चुनाव में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं को आगे बढ़ाने में दिए गए उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार मेरी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह हमारी टीम की मेहनत एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने राज्य के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान निष्पक्ष एवं सुगम चुनाव कराने के आयोग के संकल्प को और मजबूत करता है।

केन्द्र निर्धारण के लिए चल रहा बैठकों का दौर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने राज्य के 50 जिलों में परीक्षा केंद्र निर्धारण की कवायद शुरू कर दी है। इस बार प्रदेश के नए बने जिलों को भी शेड्यूल में शामिल किया जा रहा है। केंद्र निर्धारण के लिए आगामी दिनों में आयोजित होने वाली बैठकों में जिला शिक्षा अधिकारियों को माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा के लिए केंद्रों के प्रस्तावों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक सीआर मीना ने बताया कि परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति की बैठकें 22 दिसंबर तक चलेगी। बैठकों में जिला शिक्षा अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया गया है।

बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने बताया कि गुरुवार को नागौर डीडवाना, कुचामन, धौलपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, 15 को श्रीगंगानगर, अजमेर, केकड़ी ब्यावर, दौसा, 18 दिसंबर को सांचौर, भरतपुर, डीग, जालौर, करौली, 19 को सीकर, बूंदी, नीमकाथाना, पाली, 20 को बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, झुंझुनू, 21 दिसंबर को जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, हनुमानगढ़ तथा 22 को अनूपगढ़, बीकानेर, कोटा की बैठक होगी।

जरूरी खबर

पश्चिम रेलवे दो और ट्रेनों का करेगा संचालन

जयपुर। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए दो ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09705, जयपुर-लखनऊ स्पेशल (एक तरफा) रेलसेवा 16 दिसंबर को जयपुर से रात 11:20 बजे रवाना होकर 17 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसी तरह गुरुवार को विजयवाड़ा -खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल (एक तरफा) ट्रेन आएगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 07597, विजयवाड़ा-खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल (एक तरफा) रेलसेवा गुरुवार को विजयवाड़ा से दोपहर 2:05 बजे रवाना होकर शनिवार सुबह 6:45 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

इंपेला हार्ट पंप तकनीक से बचाई मरीज की जान

जयपुर। हार्ट की कमजोर पंपिंग क्षमता, किडनी की बीमारी, डायबिटीज और गंभीर हार्ट ब्लॉकेज से जूझ रहे 75 वर्षीय मरीज के लिए न तो एंजियोप्लास्टी संभव हो पा रही थी और जटिलता के कारण न ही बायपास सर्जरी संभव थी। ऐसे में डॉक्टरों की टीम ने अत्याधुनिक तकनीक इंपेला हार्ट पंप सपोर्ट से मरीज की जान बचाने में सफल रही। डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि पेशेंट को छाती में भारीपन और सांस लेने में तकलीफ थी। हॉस्पिटल आए तो इकोकार्डियोग्राम जांच में आया कि हार्ट की संकुचन क्षमता अत्यधिक कमजोर है। उनके हार्ट की तीनों आर्टरीज में गंभीर कैल्सिफाइड ब्लॉकेज थे। इसके लिए बायपास सर्जरी की सलाह दी गई थी, लेकिन कमजोर हार्ट के कारण सर्जरी में अत्यधिक जोखिम था। ऐसे इंपेला हार्ट पंप सपोर्ट के साथ रोटाब्लेशन एंजियोप्लास्टी की सलाह दी।

जयपुर में सप्लाई के लिए लाई गई 7 पिस्टल और 14 मैगजीन बरामद

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा युवक तस्करी में गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

हथियार तस्करी करने वाले युवक को जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से डिलीवरी के लिए लाई गई 7 देसी पिस्टल और 14 मैगजीन बरामद की है।

गौरतलब है कि टोडाभीम (करौली) के तस्करों ने जयपुर में डिलीवरी कराने के लिए यह हथियार आरोपी के पास भेजे थे। आरोपी के मोबाइल पर हथियार लेने वाले लोगों के नंबर और लोकेशन आनी थी, लेकिन पुलिस ने इससे पहले ही उसे पकड़ लिया। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने जानकारी देते बताया कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के बाद जयपुर में हथियार तस्करी करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

इस पर सीएसटी के एएसआई महिपाल सिंह और कॉन्स्टेबल देवकरण को जानकारी मिली कि संजय मीणा (27) पुत्र श्रीमन मीणा निवासी गांव नांद कला, पोस्ट गोडला तहसील टोडाभीम (करौली) हथियार लेकर जयपुर आ रहा है। इस पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पकड़कर हथियार बरामद किए।

इस काम के मिले थे 35 हजार रुपए

आरोपी संजय मीणा ने पूछताछ में बताया कि वह जगतपुरा में रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। टोडाभीम (करौली) से लालाराम और कमल ने 7 पिस्टल और 14 खाली मैगजीन संजय को दिए थे। संजय मीणा को जयपुर पहुंचकर लालाराम को मैसेज करना था कि वह जयपुर पहुंच गया है। इसके बाद लालाराम हथियारों की सप्लाई किसको करनी है, उनके नंबर और लोकेशन भेजता। टोडाभीम से जयपुर तक हथियार तस्करी कर लाने और डिलीवरी देने पर संजय को प्रति पिस्टल के 5 हजार रुपए के हिसाब से कुल 35 हजार रुपए दिए गए थे।

बाकी आरोपियों को पकड़ने पुलिस टोडाभीम रवाना

संजय मीणा पहले भी कई बार जयपुर समेत अन्य जगहों पर हथियारों की तस्करी कर चुका है। उसको हथियार तस्करी के लिए 5 हजार रुपए मिला करते थे। पूछताछ में उसने बताया कि उसे नहीं पता की आरोपी हथियार कहां से लाते थे। हालांकि, पुलिस को उनके पास बड़ी संख्या में हथियार होने की जानकारी मिली है। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम टोडाभीम भेजी गई है।

कैसा होगा नया मंत्रिमंडल, संभावित चेहरों पर मंथन शुरू

शपथ समारोह के बाद खुलने लगेंगे नए मंत्रिमंडल के पत्ते

सच बेधड़क
एनालिसिस

हरीश भामनिया | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में सीएम तय होने के बाद अब सबसे बड़ी चर्चा नए मंत्रिमंडल के गठन को लेकर है। सीएम भजनलाल शर्मा की टीम कैसी होगी? इसको लेकर प्रदेश भाजपा ने मंथन शुरू कर दिया है।

नई सरकार में पहले फेज में 20 विधायक मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं। बताया यह भी जा रहा है कि इनमें 10 कैबिनेट व 10 राज्यमंत्री मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए जातीय समीकरण साधने के साथ विधायकों की वरिष्ठता व अनुभव का भी पूरा ध्यान रखा जा सकता है। इधर, मनोनीत सीएम भजनलाल शर्मा बुधवार सुबह प्रदेश भाजपा पहुंचे जहां विधायकों व अन्य नेताओं ने उनसे मुलाकात की। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि सीएम की घोषणा के बाद से ही प्रदेश नेतृत्व ने संभावित मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों का खाका तैयार कर लिया है। हालांकि, बुधवार को प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में केवल शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर ही चर्चा हुई।

जो वर्ग और क्षेत्र रह गए, होगा उन्हें साधने का प्रयास

किसान वर्ग व वैश्य समुदाय भी बाकी

प्रदेश में भाजपा ने अपने कोर वोट बैंक को तो साध लिया, लेकिन किसान वर्ग को भी अब साधना बाकी है। हालांकि, वैश्य समुदाय को भी अभी कोई बड़ा प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। ऐसे में कैबिनेट और संगठन में अब जाट, यादव, नागर, धाकड़, कुमावत और सैनी समाज के चेहरों को बड़ी भूमिका में लाया जा सकता है। पूर्वी राजस्थान के भजनलाल को सीएम बनाकर उस क्षेत्र को तो साध लिया है। अब भाजपा की मेवाड़ और मारवाड़ और हाड़ौती क्षेत्र पर नजर है। ऐसे में मंत्रिमंडल में इन इलाकों की साफ झलक दिखने को मिल सकती है।

वसुंधरा राजे की भूमिका पर असमंजस

आलाकमान ने मंगलवार को भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने के चौंकाने वाले फैसले के बाद अब प्रदेश के राजनैतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की भावी भूमिका को लेकर है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा आलाकमान की अपनी रणनीति अवश्य होगी। अलबत्ता, हाईकमान यह भी जानता है कि वसुंधरा राजे के समूचे सूबे में प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। यह भी कि राजे को बड़ी जिम्मेदारी नहीं देने से परेशानी खड़ी हो सकती है। भाजपा ने दो लोकसभा चुनाव में 25-25 सीटें जीतीं और अब चंद महीनों बाद वापस इस रिकॉर्ड को बनाए रखने का दवाब है। इन सब परिस्थितियों के बीच राजे खेमे के विधायकों ने फिलहाल चुप्पी साध ली है। बुधवार को वसुंधरा के बंगले के बाहर सन्नाटा पसरा रहा, हालांकि कुछ विधायक बुधवार को भी राजे से मिले।

कंटेंट के कारण चर्चित है पुस्तक

RAS परीक्षार्थियों के लिए उपयोगी होगी 'प्रशासकीय नीतिशास्त्र'

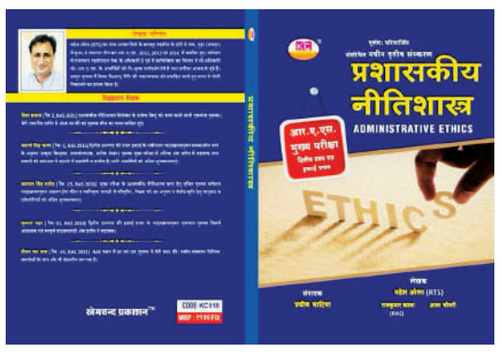

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान तहसीलदार सेवा के अधिकारी महेश ओला ने आरएएस मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए एक पुस्तक लिखी है प्रशासकीय नीतिशास्त्र। ओला की यह पुस्तक आरएएस मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगी। यह इस पुस्तक का तृतीय संस्करण है। इससे पहले इसके दो संस्करण आ चुके हैं जो अपने कंटेंट के कारण RAS एस्पिरेंट्स में काफी चर्चित रहे हैं।

महापौर मुनेश गुर्जर ने किया सफाई अभियान का शुभारंभ

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम जयपुर हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने बुधवार को बनीपार्क स्थित जिला न्यायालय परिसर में जनसहभागिता से सफाई अभियान की शुरुआत की। इस दौरान बार के पदाधिकारियों ने न्यायालय परिसर में डस्टबिन रखवाने की। इस पर मेयर गुर्जर ने उपायुक्त स्वास्थ्य नूर मोहम्मद को इसके लिए निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरेंद्र खत्री, दीप्ति श्रीवास्तव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन शर्मा, सिविल लाइंस जोन उपायुक्त करतार सिंह, उपायुक्त स्वास्थ्य नूर मोहम्मद सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अख़बार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का आह्वान

राज्यपाल से मिले प्रशिक्षु आईपीएस

बेधड़क | जयपुर

भारतीय पुलिस सेवा के 75 आरआर बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बुधवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने इन अधिकारियों को राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता रखते हुए ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने पुलिस सेवा में कानून व्यवस्था की सभी स्तरों पर पालना करवाने के साथ अपराध नियंत्रण के लिए सदा सजग रहते हुए कार्य करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

जेडीए ने बड़ी कार्रवाई कर पंद्रह बीघा भूमि मुक्त करवाई

चार अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

बेधड़क | जयपुर

जेडीए ने बुधवार को खातेदारी जमीन पर बन रही अवैध कॉलोनियों को हटाने को लेकर वृहद स्तर पर अभियान चलाया। इस दौरान जेडीए ने चार अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर पंद्रह बीघा भूमि मुक्त करवाई। जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-13 में करीब 5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी गोवर्धन सिटी को धवस्त किया गया। उन्होंने बताया कि जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू रूपांतरण करवाए भूमि को समतल कर रातों-रात कॉलोनी बनाने को लेकर मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लाटों की बाउंड्रीवाल बनाने की सूचना मिलने पर बुधवार को अवैध कॉलोनी को हटाया गया। वहीं, जोन-10 ए में ईकोलोजिकल जोन में निजी खातेदारी करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर 3 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। पीआरएन-साउथ में अनुमोदित आवासीय योजना शिव वाटिका के भूखण्ड संख्या ए-30 में सैटबैक में बनी अवैध बालकॉनी को ध्वस्त एवं जोन-03 में लालकोठी योजना में अण्डरपास के पास रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जेडीए जोन-10ए के इकोलॉजिकल जोन में करीब 04 बीघा कृषि भूमि पर अवैध बनाई जा रही इमरान नगर कॉलोनी को बुधवार को ध्वस्त किया। इसी प्रकार जोन-10ए में 4 बीघा कृषि भूमि में सरकारी भूमि को सम्मिलित करते हुए मां पुष्पा नगर के नाम से बनाई जा रही कॉलोनी को ध्वस्त किया।

जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर लग चुका, 8 जगहों पर चल रहा है और कार्य

अब प्रदेश के सभी स्टेट हाईवे पर लगाई जाएंगी फास्टैग मशीनें

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में नेशनल हाईवे की तर्ज पर सभी 63 स्टेट हाईवे के टोल प्लाजा पर भी जल्द फास्टैग की सुविधा मिलने लगेगी। सब कुछ सही रहा तो अगले छह महीने में यह काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए पीडब्यूडी की सहायक कंपनी आरएसआरडीसी ने प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी कर ली है। टोल प्लाजा पर फास्टैग मशीन लगाने के लिए आरएसआरडीसी ने टेंडर निकालकर वर्कआर्डर भी दे दिए हैं।

गौरतलब है कि भारत सरकार के नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टॉल कलेक्शन योजना के तहत राज्य सरकार ने पूर्व में जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर फास्टैग सुविधा शुरू करने का प्रोजेक्ट पायलट तौर पर लागू किया था। यहां अच्छा रिस्पांस मिलने के बाद अब यह प्रोजेक्ट सभी स्टेट हाईवे पर लागू करवाया जा रहा है। भीलवाड़ा के अलावा 8 टोल प्लाजा पर फास्टैग मशीनें इसी माह में लगा दी जाएंगी।

बता दें कि प्रदेश में स्टेट हाईवे पर फास्टैग लगाने को लेकर पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के बीच पिछले साल 16 मार्च को एमओयू हुआ था।

प्रदेश में टोल रोड

- आरएसआरडीसी- 38 टोल रोड
- पीडब्ल्यूडी- 25 टोल रोड

एक टोल प्लाजा पर 52 लाख का खर्च

फास्टैग लगाने के लिए एक टोल प्लाजा की प्रत्येक लाइन पर 13 लाख का खर्चा आएगा, यानि चार लाइन के टोल प्लाजा पर 52 लाख रुपए का खर्चा आएगा। इसके लिए आरएसआरडीसी ने 52 करोड़ रुपए बैंक से उधार लिए हैं। हालांकि, केंद्र सरकार प्रत्येक टोल प्लाजा पर फास्टैग मशीनरी लगाने के लिए 20 लाख की पुर्नभरण राशि राज्य सरकार को दे देगी। इससे राज्य सरकार पर आर्थिक भार कम हो जाएगा।

> प्रदेश के सभी स्टेट हाईवे पर फास्टैग सुविधा शुरू कराने का कार्य तेजी से चल रहा है। चुनाव के समय थोड़ा कार्य धीमा हुआ था। नई सरकार आने पर बैंक लोन की गारंटी की औपचारिकता दुबारा से करवाकर सभी स्टेट हाईवे पर फास्टैग लगाए जाएंगे।
>
> **सुधीर माथुर,** प्रबंध निदेशक, आरएसआरडीसी, जयपुर

गलत फास्टैग लगा मिला तो वाहन ब्लैक लिस्ट

सभी स्टेट हाईवे पर एवीसीसी यानी ऑटोमेटिक व्हीकल क्लासिफिकेशन एंड काउंटिंग टैक्नोलॉजी के फास्टैग लगाए जाएंगे। इससे वाहन चालक फास्टैग लगाने में फर्जीवाड़ा नहीं कर सकेंगे। अभी कई टोलों पर यह शिकायतें हैं कि बड़े वाहन चालक छोटे वाहनों के फास्टैग लगाकर टोल कटाने में फर्जीवाड़ा कर देते हैं। मगर, एवीसीसी तकनीक में वाहन की फोटो खींचकर टोल कटेगा। अगर किसी ने गलत फास्टैग लगा रखा है तो वो फास्टैग ब्लैक लिस्ट हो सकेगा। इसके साथ ही एडवांस तकनीक के इन फास्टैग मशीनों की रीडिंग स्पीड काफी तेज होगी। वाहन चालक बिना गाड़ी रोके मात्र धीमी स्पीड से टोल कटवा सकेगा। सभी टोल प्लाजों का लाइव कंट्रोल रूम आरएसआरडीसी मुख्यालय में रह सकेगा।

जरूरी खबर

बैक लेते हुए ट्रैक्टर ने मासूम का सिर कुचला... मौत

कोटा। ईंट के भट्टे पर ट्रैक्टर बैक लेते हुए हादसे में 5 साल की मासूम की मौत हो गई। पास ही उसका भाई भी खेल रहा था लेकिन, ट्रॉली के नीचे होने से वह बच गया। थाना हेड कांस्टेबल महेंद्र कुमार ने बताया केशोरायपाटन में ईंट भट्टे पर राधिका (5) पुत्री राजेंद्र की ट्रैक्टर के टायर के नीचे दबने से मौत हो गई। उसके साथ उसका भाई करण (4) भी खेल रहा था। इस दौरान राधिका टायर के नीचे आ गई। उसे हॉस्पिटल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया।

ज्वेलर को लॉरेंस के नाम से धमकी, मांगे पांच लाख

जोधपुर। जिले के एक ज्वेलर को लॉरेंस के नाम से धमकी मिली है। बदमाश ने वॉट्सएप कॉल के जरिए 5 लाख रुपए की डिमांड की है। रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। मामला शहर के सदर बाजार थाना क्षेत्र का है। ज्वेलर ओमप्रकाश सोनी ने मंगलवार को मामला दर्ज करवाया है। उसकी घोड़ों का चौक में सुदर्शन ज्वेलर्स नाम से शॉप है। सोनी ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 4 बजे पहला मैसेज और कॉल आया, जो उसने अटेंड नहीं किया। इसके बाद मैसेज आना शुरू हुए। इसमें लिखा था- तुझे तेरी जान प्यारी है तो 5 लाख रुपए का बंदोबस्त करना होगा। रुपए नहीं दिए तो अगला टारगेट तू है।

समाजसेवा के लिए भांबू परिवार का किया सम्मान

सीकर। तेजा भवन चूरू में बुधवार को डॉ. बीके चौधरी की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर भामाशाह पिथिसार हाल सैनिक बस्ती चूरू निवासी हरफूलसिंह भांबू परिवार को सम्मानित किया गया। उन्होंने तेजा भवन को 50 प्लास्टिक की कुर्सियां भेंट की। समारोह में हरफूल सिंह व उनकी धर्मपत्नी का शॉल, साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह में शिक्षाविद हनुमानाराम व रामेश्वरलाल सहारण ने भांबू परिवार के इस कार्य की सराहना की। इस मौके पर हेमराज फगेड़िया, यशपाल, चन्दगीराम दूत, ओमप्रकाश सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

78 वर्षीय निर्दलीय प्रत्याशी की एसडीएम के समक्ष अजीबो-गरीब गुहार से हर कोई चकित

साहब! इस बार प्रचार के लिए एक वाहन उपलब्ध करा दो

बेधड़क | श्रीगंगानगर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव-2023 के तहत 199 सीटों पर नतीजे आने के बाद बीजेपी की तरफ से मुख्यमंत्री की घोषणा की जा चुकी है। वहीं प्रदेश में बाकी बची करणपुर विधानसभा सीट पर चुनाव की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके तहत 19 दिसंबर चुनाव आयोग नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

20 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 22 दिसंबर तक नामांकन वापसी का दिन रहेगा। करणपुर विधानसभा सीट पर स्थगित हुए चुनावों के लिए 5 जनवरी को मतदान होगा। वहीं 8 जनवरी को वोटों की गिनती होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे। इसी बीच इस विधानसभा सीट पर सर्वाधिक बार चुनाव मैदान में उतरने की वजह से 78 वर्षीय निर्दलीय प्रत्याशी तीतर सिंह एक बार फिर से चर्चा में है। करणपुर सीट पर जैसे ही स्थगित मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई तो तीतर सिंह भी एक बार फिर से चुनाव मैदान में ताल ठोकने के लिए सक्रिय हो गए। मंगलवार को उन्होंने एसडीएम के समक्ष पेश होकर उसने अपनी अजीबो-गरीब मांग रखी तो अधिकारियों सहित वहां मौजूद हर एक शख्स चकित रह गया। इतना ही नहीं उनकी मांग को सुनकर सबके मुहं से हंसी फूट पड़ी।

हालाकि, एसडीएम ने उसकी पूरी बात सुनी और वस्तुस्थिति को समझते हुए उनकी मांग पूरी करने का भरोसा भी दिलाया। इस पर तीतर सिंह वापस लौट गए, लेकिन हंसी का माहौल वैसा ही बना रहा। जानकारी के अनुसार अपने एक समर्थक के साथ एसडीएम कार्यालय में पेश हुए तीतर सिंह ने एसडीएम सुभाषचंद चौधरी को कहा कि उन्हें विधानसभा क्षेत्र के दूर-दराज इलाकों में प्रचार में काफी परेशानी आ रही है।

उसका कहना था कि गरीबों के उत्थान की सोच को लेकर अब तक वह 31 बार चुनाव लड़ चुका हूं। ऐसे में इस बार प्रचार के लिए प्रशासन की ओर से उसे एक वाहन मिलना चाहिए। यह सुनकर जहां एकबारगी अधिकारी व कार्मिक हतप्रभ रह गए। वहीं, उसके जाने के बाद भी वहां मौजूद लोगों की हंसी नहीं थमी।

मतदान के दिन करणपुर में रहेगा अवकाश

करणपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में मतदान के दिन 5 जनवरी को अवकाश रहेगा। इस संबंध में वित्त विभाग ने आदेश जारी किया है। इस विधानसभा क्षेत्र स्थित कार्यालयों व संस्थाओं में मतदान दिवस पर अवकाश घोषित किया गया है, ताकि मतदाता सहूलियत के साथ मतदान कर सकें। वहीं सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार ऐसे समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी जो करणपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पंजीकृत मतदाता हैं, उनको मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश प्रदान करने के लिए समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी, विभिन्न विभागों, उपक्रमों, बोर्ड, निगमों आदि के विभागाध्यक्षों को प्राधिकृत किया गया है।

इस कारण स्थगित हुआ था चुनाव

प्रदेश में 25 नवंबर को 199 सीटों के लिए ही वोटिंग हुई थी। उस समय चुनाव से कुछ दिन पहले ही करणपुर से कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर की मौत हो जाने के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया था।

माउंट आबू में पारा जमाव बिंदु पर, ग्रामीण क्षेत्रों में घना कोहरा

राज्य में फिलहाल दो-तीन दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के मौसम को लेकर रोजाना नए अपडेट आ रहे हैं। अब मौसम विशेषज्ञों ने बताया है कि आगामी 2-3 दिन मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में कोई खास बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा। उधर, हिल स्टेशन माउंट आबू में बुधवार को लगातार तीसरे दिन पारा जमाव बिंदु पर दर्ज हुआ।

गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर के ग्रामीण इलाकों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। इसके चलते वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं कोहरे के कारण वाहनों की लाइट जलाकर वाहन चालकों को निकलना पड़ा। वहीं सीकर में भी बुधवार को तापमान में गिरावट दर्ज हुई, जिससे यहां मंगलवार की तुलना में सर्दी थोड़ी ज्यादा रही। तापमान की बात करें तो बुधवार को सबसे कम तापमान माउंट आबू में शून्य पर दर्ज हुआ।

ऐसे में वाहनों की छतों और पेड़ पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदे जमी नजर आई। मंगलवार को यहां तापमान माइनस एक डिग्री सेल्सियस था। बुधवार को ये तीसरा दिन रहा, जब माउंट आबू की वादियों में बर्फ जमी नजर आई। ऐसे में इन दिनों माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए यह दिलकश नजारा बना हुआ है। पर्यटक सुरम्य वादियों के बीच बर्फ देखकर रोमांचित हो उठे। सैलानी तेज ठंड के बीच वादियों में घूमने का मजा ले रहे हैं। इधर अलवर, बीकानेर, जैसलमेर, सीकर में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में रहा।

जैसलमेर में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस गिरकर 9.7 पर पहुंचा

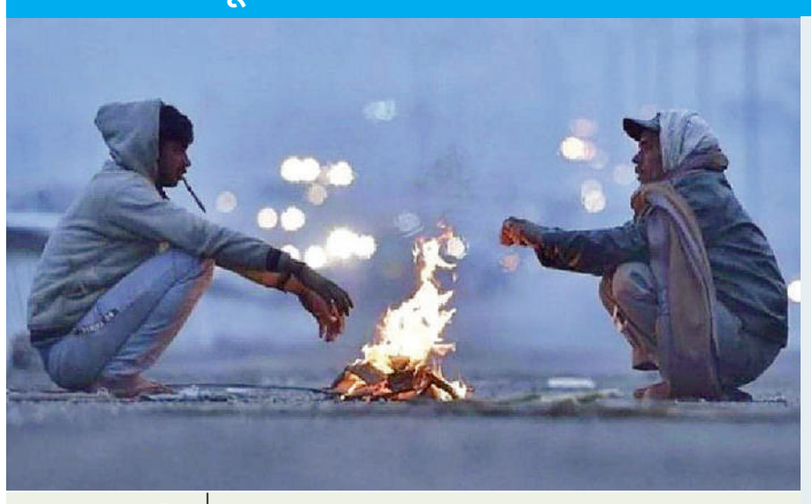

जयपुर में 0.5 डिग्री गिरा पारा

राजधानी जयपुर के तापमान में बुधवार को 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई। जयपुर में सुबह न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में मंगलवार को दिन में तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। देर शाम जयपुर में हल्की सर्द हवाएं चलने से ठिठुरन रही। बुधवार सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप निकलने से लोगों को सर्दी से राहत मिली।

जैसलमेर में तापमान गिरा

रेगिस्तानी जिले जैसलमेर में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस गिरकर 9.7 पर पहुंच गया। जैसलमेर में सर्दी बढ़ने के साथ ही पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ गई। पर्यटक तेज सर्दी के बीच धौरों की सैर-सपाटे का आनंद उठा रहे हैं। इधर, सरहदी जिले बीकानेर और गंगानगर में भी न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन दोनों ही जिलों में पाकिस्तान से लगती सीमा के गांवों में सुबह-सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण यहां दृश्यता 200 मीटर से भी कम रह गई। हनुमानगढ़ जिले में भी स्थिति ऐसी रही, यहां के ग्रामीण इलाकों में सुबह कोहरा छाया रहा। हनुमानगढ़ में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सिरफिरे आशिक की करतूत

शादी से इनकार करने पर युवती के चेहरे पर फेंका केमिकल, हालत गंभीर

बेधड़क | अजमेर

जिले के रामगंज थाना क्षेत्र में एक युवती पर केमिकल फेंकने का मामला सामने आया है। घटना में युवती गंभीर रूप से जख्मी हो गई, जिसे परिजनों ने अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया है, युवती का इलाज चल रहा है। आरोपी ने युवती के चेहरे और आंखों पर केमिकल फेंका, जिससे उसकी आंखों में तेज जलन है।

फिलहाल उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं, युवती पर केमिकल फेंकने वाला आरोपी पेशे से फोटोग्राफर है जो कि युवती पर शादी करने का दबाव बना रहा था। युवती के इनकार करने पर बुधवार को आरोपी उसके घर पहुंचा और उस पर बाथरूम क्लीनर केमिकल से अटैक किया। इस घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अजमेर साउथ के वृताधिकारी रामचंद्र चौधरी ने बताया कि रामगंज थाना क्षेत्र निवासी एक युवती पर आरोपी ने बाथरूम क्लीनर केमिकल फेंक दिया। इस घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। फिलहाल युवती की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वृताधिकारी चौधरी ने बताया कि आरोपी पेशे से फोटोग्राफर है। उसकी शिनाख्त आशीष राजोरिया के रूप में हुई है। बुधवार को आरोपी युवती के घर में पीछे के दरवाजे से घुस गया और उस पर शादी का दबाव बनाने लगा। इतना ही नहीं उसे अपने साथ जाने की जिद पर अड़ गया। हालांकि, जब युवती ने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया तो तैश में आकर आरोपी ने उस पर बाथरूम क्लीनर केमिकल फेंक दिया। फिलहाल फोरेंसिक टीम युवती पर फेंके गए केमिकल की जांच कर रही है।

कोटा में जेईई के छात्र की हत्या का मामला

सात आरोपियों से चल रही पूछताछ, पुलिस ने परिजनों को सौंपा शव

बेधड़क | कोटा

शहर के इंदिरा विहार इलाके में आईआईटी-जेईई की परीक्षा की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय एक छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक प्राथमिकी में कुछ अन्य आरोपियों के नामों का भी जिक्र है, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। सहायक पुलिस अधीक्षक संजय गुप्ता ने कहा कि मंगलवार रात पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मामले में आगे जांच की जा रही है। सहायक पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपी बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले नाबालिग हैं।

पूछताछ और साक्ष्य एकत्र करने के बाद उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मृतक की मां रीमा देवी की शिकायत के आधार पर सात युवकों और कुछ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। ये सभी कोचिंग संस्थान के छात्र हैं। कोटा के इंदिरा विहार इलाके में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईआईटी-जेईई) की तैयारी कर रहे छात्र सत्यवीर उर्फ राजवीर उर्फ रौनक की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। सत्यवीर जब सोमवार देर शाम को एक चाय की थड़ी पर बैठा था, तभी कुछ युवकों ने उस पर लोहे के छड़ और जंजीरों से हमला किया था। सत्यवीर करीब दो साल से यहां एक कोचिंग संस्थान में आईआईटी-जेईई की तैयारी कर रहा था। फिलहाल छात्र पर हमले का कारण सामने नहीं आया।

मां वटयक्षणी व महादेव का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

देवस्थापना के बाद निकाली जल यात्रा

बेधड़क | जोधपुर

श्रीमाली ब्राह्मण पाराशर गौत्र परिवार एवं पर्यावरण विकास संस्थान के तत्वावधान में कुलदेवी वटयक्षणी माता और पारेश्वर महादेव का तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव बुधवार से प्रारंभ हुआ।

इस मौके पर नवनिर्मित मंदिर में सुबह देव स्थापना हुई। आयोजन समिति अध्यक्ष लक्ष्मण राज त्रिवेदी ने बताया की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ पं. जीवन किशोर जोशी के आचार्यत्व में प्रारंभ हुआ। इसके दौरान प्रथम पूज्य भगवान गणेश, षोड्ष मात्रिका, पित्र देव, नवग्रह, पंचलोकपाल, चोसठ योगिनी, 52 भैरव, रूद्र कलश एवं प्रधान मंडल पर भगवान लक्ष्मीनारायण का आह्वान कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद शाम 4 बजे से जलयात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ जल यात्रा पद्मसागर तालाब से रवाना होकर आयोजन स्थल पहुंची।

उपाध्यक्ष डॉ. आनन्द प्रकाश व्यास ने बताया कि गुरुवार को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक पूजा-अर्चना एवं हवन किया जाएगा। सचिव कैलाश चन्द्र ने बताया कि 15 दिसम्बर को सुबह 9 बजे से कुलदेवी वटयक्षणी माता एवं पारेश्वर महादेव की मूर्तियो की प्राण-प्रतिष्ठा गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। शाम महाआरती व पंगत प्रसादी होगी। इस मौके पर अमरआर त्रिवेदी, योगेश व्यास, सुनील त्रिवेदी, योगेश्वर त्रिवेदी, मनीष त्रिवेदी, अनिल व्यास, अश्विनी, रामरतन त्रिवेदी, हरीश ओझा, प्रभाकर, जय शंकर आदि मौजूद रहे। मुख्य यजमान सुभाषचन्द्र व्यास और सह यजमान अनिल कुमार त्रिवेदी, आनन्द प्रकाश व्यास, अभिनव त्रिवेदी, उमेश व्यास एवं सुनील कुमार त्रिवेदी हैं।

21 दिसंबर को राज्यपाल मिश्र करेंगे शुभारंभ

शिल्पग्राम महोत्सव में साकार होगी भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति

बेधड़क | उदयपुर

जिले में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले शिल्पग्राम महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। आयोजन स्थल की सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यहां आयोजन में आगंतुकों को राजस्थानी कला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

उदयपुर में 21 दिसंबर को दस दिवसीय शिल्पग्राम महोत्सव का शुभारंभ राज्यपाल कलराज मिश्र ढोल बजाकर करेंगे। इस बार के शिल्पग्राम महोत्सव में देश के साथ ही विदेशी कलाकार भी शामिल होंगे। महोत्सव में पद्मश्री से सम्मानित चार प्रसिद्ध कलाकारों के साथ ही कुल 16 कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। पश्चिम क्षेत्र संस्कृति केंद्र उदयपुर

की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि यहां राष्ट्रीय हस्तशिल्प व लोक कला शिल्पग्राम महोत्सव 30 दिसंबर तक चलेगा। महोत्सव के शुभारंभ पर केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी भी मौजूद रहेंगी। इस बार शिल्पग्राम उत्सव की थीम 'वर्ली ट्राइबल आर्ट' है। महोत्सव में करीब 400 शिल्पकार शामिल होने पहुंचेंगे।

तैयारियां अंतिम चरण में

उदयपुर के हवाला गांव स्थित शिल्पग्राम परिसर में आयोजित होने वाले शिल्पग्राम महोत्सव की तैयारियां अब अंतिम दौर में है। शिल्पग्राम में मांडना, चित्रकारी, मिट्टी का लेपन, पुताई, झोपड़ी व घास लगाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। वहीं अन्य सजावट का काम भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। पश्चिम सांस्कृतिक कला केंद्र के निर्देशक किरण सोनी ने बताया कि शिल्पग्राम को लेकर सभी तैयारियां अंतिम चरण में है। इस बार का शिल्पग्राम महोत्सव काफी खास रहने वाला है। यहां हर रोज मुक्तकाशी रंगमंच पर कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों के लोक कलाकारों के अलावा विदेशी कलाकार भी अपनी कला-संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे।

पश्चिम क्षेत्र के राज्यों की कला-संस्कृति दिखेगी

पूरे शिल्पग्राम परिसर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र के हर राज्य के संस्कृति की झलक यहां आने वाले लोगों को दिखने को मिलेगी। महोत्सव में आने वाले लोग के मनोरंजन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। दिन के समय लगने वाले हाट बाजार में जहां लोग जमकर खरीददारी कर सकेंगे तो शाम को रंगारंग प्रस्तुतियों की व्यवस्था है। इसके अलावा महोत्सव में आने वाले युवा पर्यटकों को भी अपनी कला का प्रदर्शन करने का पूरा अवसर प्रदान किया जाएगा।

महोत्सव में लगेगी 450 से अधिक स्टॉल

निर्देशक किरण सोनी ने बताया कि दस दिन के इस महोत्सव में 20 राज्यों के 1500 कलाकार अपनी कला और संस्कृति से दर्शकों को रूबरू कराएंगे। वहीं देशभर के शिल्पकारों के लिए यहां कुल 450 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इसमें हैंडीक्राफ्ट, क्रॉकरी, पेंटिंग, फर्नीचर और खान-पान की सुविधाएं मुहैया होंगी। उन्होंने बताया कि इस बार की थीम वर्ली ट्राइबल आर्ट के आधार पर मुख्य दरवाजे से लेकर अलग-अलग झोपड़ियों व सभागारों की सजावट की जा रही है। इसके अलावा फड और माडाना चित्रशैली भी दर्शकों को लुभाएगी।

कम स्कोर वाले कैंडिडेट्स के लिए निजी के साथ सरकारी कॉलेजों के ढेरों विकल्प

CLAT-2024 में ज्यादा स्कोर नहीं कर पाए तो भी बन सकते हैं बेहतरीन वकील

बेधड़क | जयपुर

कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (एनएलयू) ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT)-2024 का परिणाम घोषित कर दिया है, जिसके स्कोर के आधार पर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज सहित कई अन्य लॉ कॉलेजेस में एडमिशन दिए जाएंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक इस साल CLAT आसान था इसलिए शीर्ष नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (NLUs) के लिए CLAT कट ऑफ अधिक रहने की उम्मीद है। ऐसे में CLAT-2024 में कम रैंक वाले उम्मीदवारों को अच्छे NLU में प्रवेश पाने में कठिनाई हो सकती है। हालांकि, कम CLAT रैंक वाले उम्मीदवारों के लिए लॉ स्कूल में प्रवेश पाने के लिए कई अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। CLAT-2024 में 60 से अधिक कॉलेज हैं जहां कानून की पढ़ाई के इच्छुक उम्मीदवारों के पास चयनित होने का अच्छा मौका है। ये कॉलेज 5-वर्षीय एलएलबी, 3-वर्षीय एलएलबी और एलएलएम कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

NLU's की 3 हजार सीटों के लिए 50 हजार आवेदक

NLU's की करीब 3 हजार सीट्स पर एडमिशन के लिए 50 हजार से अधिक आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जिसके चलते प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है। ये तीन हजार सीटें CLAT में भाग लेने वाले 23 NLU's में विभाजित हैं। एनएलएसआईयू बेंगलुरु, एनएलएसएआर हैदराबाद और डब्लूबीएनयूजेएस कोलकाता जैसे NLU शीर्ष पर हैं। इसके बाद टियर-2 NLU आते हैं जैसे गांधीनगर, भोपाल, रायपुर और मुंबई। फिर टियर-3 एनएलयू हैं जो ज्यादातर नए हैं, और रैंकिंग में काफी नीचे हैं। टियर-3 एनएलयू कम रैंक वाले उम्मीदवारों को भी प्रवेश देते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि टियर-3 एनएलयू अच्छे नहीं हैं। दरअसल, पिछले साल एनएलयू में सामान्य वर्ग के लिए क्लोजिंग रैंक 2816 थी। इस रैंक वाले उम्मीदवार को एचपीएनएलयू शिमला में दाखिला दिया गया था। इसका मतलब है कि सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार को किसी भी एनएलयू में सीट पाने के लिए शीर्ष तीन हजार में होना होगा। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए समापन रैंक अपेक्षाकृत कम है। अगर शीर्ष 10-15 एनएलयू में प्रवेश मिलता है तो उसमें उम्मीदवार को बिना सोचे-समझे एडमिशन ले सकता है। लेकिन जब निचली रैंक वाले एनएलयू की बात आती है तो दुविधा पैदा होती है। क्या कम रैंक वाले एनएलयू को चुना जाए, या कम CLAT स्कोर स्वीकार करने वाले अन्य कॉलेजों का पता लगाया जाए। दरअसल CLAT के माध्यम से प्रवेश देने वाले कई निजी कॉलेज जाने-माने नाम हैं और गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करते हैं।

निजी कॉलेज चुनने से पहले करें पूरा रिसर्च

देश के कुछ बड़े निजी कॉलेज व विश्वविद्यालय हैं जो कम CLAT स्कोर स्वीकार करते हैं। चूंकि ये निजी कॉलेज हैं और इनके पास एनएलयू द्वारा प्रदान की जाने वाली ब्रांडिंग नहीं है, इसलिए उम्मीदवारों को प्रवेश लेने से पहले कॉलेजों के बारे में अच्छी तरह से शोध करना चाहिए। कॉलेज की संबद्धता और मान्यता, उपलब्ध पाठ्यक्रम, फीस संरचना, पाठ्यक्रम, कॉलेज की प्रतिष्ठा और प्लेसमेंट के अवसर आदि के आधार पर कॉलेज का चयन किया जा सकता है। देश के कुछ महत्वपूर्ण लॉ कॉलेजेस में एलायंस स्कूल ऑफ लॉ बेंगलुरु, बिट्स लॉ स्कूल मुंबई, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय कापड़ीवास हरियाणा, जी डी गोयनका विश्वविद्यालय सोहना हरियाणा, निरमा विश्वविद्यालय अहमदाबाद, केपीएमएसओएल मुंबई, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी बेंगलुरु और यूपीईएस देहरादून मुख्य हैं। CLAT के माध्यम से सरकारी लॉ कॉलेज में एडमिशन लेना भी एक अच्छा विकल्प है। एक विकल्प दिल्ली यूनिवर्सिटी के रूप में है। डीयू ने 2023 से अपने 5-वर्षीय एलएलबी प्रवेश के लिए CLAT स्कोर स्वीकार करना शुरू कर दिया है। दूसरा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) है जहां उम्मीदवार 5-वर्षीय एलएलबी कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए अपने CLAT 2024 स्कोर का उपयोग कर सकते हैं। आईपीयू और दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश मार्च-अप्रैल, 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।इनके अलावा भी हर राज्य में सरकारी कॉलेज हैं जो लॉ में स्तरीय पाठ्यक्रम करवाते हैं।

Yuva स्टोरीज

छात्राओं की हुई एनीमिया जांच |

जयपुर। विमुक्ति गर्ल्स स्कूल में बुधवार को गर्ल्स की एनीमिया जांच के लिए रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्कूल की तीन सौ बालिकाओं की हीमोग्लोबिन की जांच की गई। यह शिविर व्यापक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत क्रैक द वेलनेस कोड और तरंग अलायंस संगठनों की मदद से आयोजित किया गया था। विमुक्ति गर्ल्स स्कूल जयपुर की कच्ची बस्तियों की वंचित लड़कियों के लिए विमुक्ति संस्था द्वारा संचालित एक निशुल्क स्कूल है।

छात्रों को दी लॉ स्टार्टअप की जानकारी |

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के विधि विभाग और एनएसएस, लॉ कॉलेज की ओर से बुधवार को कानूनी स्टार्टअप और नवाचार पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो-बोनो इंडिया के संस्थापक डॉ. कल्पेश कुमार गुप्ता थे। उन्होंने कानून के क्षेत्र के विशेष संदर्भ में स्टार्टअप की यात्रा से संबंधित महत्व, कदम और चुनौतियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक विधि विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनोज मीना ने भारतीय न्याय प्रणाली में स्टार्टअप तंत्र की उभरती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष विधि विभाग डॉ. संजुला थानवी और विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंकिता यादव ने स्वागत भाषण दिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी तेजेन्द्र मीना ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक, स्टार्टअप संस्थापक और विद्यार्थी मौजूद रहे ।

भविष्य के सपने और स्कूल की यादें जेहन में ले विदा हुए स्टूडेंट्स

जयपुर। जयश्री पेड़ीवाल ग्लोबल स्कूल के 12वीं कक्षा के स्टूडेंट्स ने रंगारंग परफोर्मेंसेज के साथ अपने स्कूल से विदाई ली। बॉलीवुड गानों की बीट्स पर थिरकते स्टूडेंट्स की आंखों में सुनहरे भविष्य के सपनों के साथ अपने स्कूल को छोड़ने की उदासी भी दिखाई दे रही थी। स्कूल में बुधवार को आयोजित फेयरवेल पार्टी का। पार्टी में 12वीं कक्षा के स्टूडेंट्स ने अपने साथियों के साथ हंसते-गाते और गले लगाते हुए स्कूल से विदाई ली। स्टूडेंट्स ने टीचर्स के साथ बिताए गए खुशियों भरे पलों को याद किया और उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के साथ अपने भविष्य का निर्माण करने का संकल्प लिया। कल्चरल प्रोग्राम्स में स्टूडेंट्स ने एक से बढ़ कर एक रंगा रंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में स्कूल प्रिंसिपल मंजू खोसला ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने स्टूडेंट्स को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि उन्हें यकीन है कि वे अपने भविष्य में अपनी सफलता से स्कूल को गौरवान्वित करेंगे। कार्यक्रम में 11वीं के स्टूडेंट्स ने अपने सीनियर स्टूडेंट्स के लिए डांस, प्ले और मधुर गीतों से भरी प्रस्तुतियां दी। समारोह में मिस्टर और मिस जेपीआइट्स कॉम्पिटिशन भी हुए जिसमे स्टूडेंट्स को मिस्टर और मिस टैलेंटेड, मिस्टर और मिस पॉपुलर जैसे टैग्स दिए गए। कार्तिक खंडेलवाल और अनुषा जालोरी ने मुख्य खिताब जीता। कार्यक्रम के अंत में डीजे नाइट का आयोजन किया गया। स्टूडेंट्स ने लाईट, म्यूजिक, डांस के साथ डिनर एन्जॉय किया।

इस बार 50 जिलों के आधार पर बनेंगे बोर्ड एग्जाम सेंटर

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) ने बोर्ड परीक्षा-2024 में प्रदेश में 50 जिलों के आधार पर एग्जाम सेंटर निर्धारण कर बोर्ड परीक्षा करवाएगा। बोर्ड ने एग्जाम सेंटर निर्धारण की कवायद शुरू कर दी है। जिला शिक्षा अधिकारियों को माध्यमिक व उच्च माध्यमिक परीक्षा के लिए एग्जाम सेंटर्स के प्रस्तावों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक सीआर मीना ने बताया कि एग्जाम सेंटर निर्धारण समिति की बैठकें 22 दिसम्बर तक चलेंगी। बारां, झालावाड़, उदयपुर, सलूम्बर, बांसवाड़ा, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपुतली, बहरोड़ सिरोही, टोंक, डूंगरपुर, चित्तौडगढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, राजसमन्द, प्रतापगढ़, अलवर, खैरथल, तिजारा की बैठकें सम्पन्न हो चुकी हैं। बैठकों में जिला शिक्षा अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

22 दिसंबर तक चलेंगी बैठकें

बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने बताया कि 14 दिसम्बर को धौलपुर, नागौर-डीडवाना, कुचामन, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, 15 दिसम्बर को श्रीगंगानगर, दौसा, अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, 18 दिसम्बर को जालौर, सांचोर, भरतपुर, डीग, करौली, 19 दिसम्बर को चुरू, सीकर, नीमकाथाना, बूंदी, पाली, 20 दिसम्बर को बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, झुंझुनू, 21 दिसम्बर को जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, हनुमानगढ़ और 22 दिसम्बर को बीकानेर, अनूपगढ़ ,कोटा की बैठक आयोजित होंगी।

सीआईआरसी क्रिकेट बैश में भाग लेंगी 16 शाखाओं की टीमें

ICAI जयपुर शाखा की क्रिकेट टीम रांची रवाना

बेधड़क | जयपुर

दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की जयपुर शाखा की 15 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स सदस्यीय क्रिकेट टीम रांची के लिए रवाना हुई, जहां यह टीम 14 से 17 दिसंबर तक चलने वाले सीआईआरसी क्रिकेट बैश-2023 में हिस्सा लेगी। गौरतलब है कि सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) के अन्तर्गत सात राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और उत्तराखंड आते हैं। इनमे कुल 50 शाखाओं में से 16 शाखाएं इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। जयपुर

शाखा का चयन 16 शाखाओं के बीच से हुआ है जो एक बड़ी उपलब्धि है। सीआईआरसी क्रिकेट बैश 2023 का फाइनल मैच 17 दिसंबर 2023 को खेला जाएगा।

जयपुर शाखा के अध्यक्ष सीए विष्णु अग्रवाल और सचिव सीए अंकुर गुप्ता ने बताया की इस वर्ष सीआईआरसी क्रिकेट बैश-2023 एक क्षेत्रीय स्तर का वार्षिक लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है। यह इस बार 14 से 17 दिसंबर तक सीआईआरसी की रांची शाखा की ओर से आयोजित किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए हम बड़े उत्साह से इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए जयपुर से 15 सदस्यीय टीम को रांची भेज रहे हैं। हमारी टीम ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया है और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं कि वे खेल में अपनी प्रतिभा को पूरी तरह से प्रदर्शित करेंगे और जयपुर शाखा का नाम गर्वित करेंगे। उन्होंने बताया की इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि हमारे प्रोफेशनल सदस्यों के बीच मजबूत सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं। टीम के कप्तान सीए अमित तोषनीवाल ने बताया कि उनकी टीम ने सीआईआरसी क्रिकेट बैश के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण किया है। हमारे खिलाड़ियों ने महीनों मेहनत की है, उम्मीद है कि हम विजेता बनेंगे।

एम्पावरमेंट | कानोड़िया कॉलेज में लर्निंग सेशन और प्रतियोगिताएं

छात्राओं ने सीखे कॉलेज से कॉर्पोरेट वर्ल्ड जाने के गुर

बेधड़क | जयपुर

कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज में सेंटर फॉर कैरिअर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट और रोटरी क्लब जयपुर साउथ की ओर से 'ट्रांजिशन फ्रॉम कैंपस टू कॉर्पोरेट' विषय पर लर्निंग सेशन आयोजित किया गया। छात्राओं को कॉलेज से कॉर्पोरेट तक जाने के लिए मूलभूत तौर तरीके एवं व्यावसायिक व्यवहार की जानकारी देने के लिए आयोजित सेशन में छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सीमा अग्रवाल ने सत्र के मुख्य वक्ता इंजीनियर सुलभ शुक्ला का स्वागत किया।

शुक्ला ने कॉर्पोरेट सेक्टर में कदम रखने वाली छात्राओं को स्किल सेट, टाइम मैनेजमेंट एवं प्रोफेशनल लाइफ स्टाइल की जानकारी दी और उनकी समस्याओं एवं प्रश्नों का समाधान भी किया। सत्र में 74 छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज की उप प्राचार्य (वाणिज्य) डॉ. सुनीता माथुर, उप प्राचार्य (कला) डॉ. मनीषा माथुर एवं उप प्राचार्य (विज्ञान) डॉ. रंजना अग्रवाल सेशन के दौरान उपस्थित रहीं। सेंटर की संयोजक डॉ. आकांक्षा गंडा ने मंच संचालन किया।

समझीं संगीत की बारीकियां

कॉलेज के स्वरांचल क्लब गायन की ओर से 'संगीत के सिद्धांत' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें क्लब संयोजक एवं संगीत विभाग की अध्यक्ष डॉ. प्रभा बजाज ने छात्राओं को संगीत की बारीकियां समझाई। इस सत्र में करीब 30 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब सदस्य डॉ. नीता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाषण व डांस प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

महाविद्यालय के अभिव्यक्ति क्लब की ओर से अंतर्महाविद्यालय आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने भारतीय नारी, मेंटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, योग व मेरा प्रिय लेखक जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में दीपाली शर्मा प्रथम, सानिया खान द्वितीय व पूजा राठौड़ और सिद्धि जैन तृतीय स्थान पर रहीं। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल, उप प्राचार्य (कला) डॉ. मनीषा माथुर और निर्णायक अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष विजयलक्ष्मी गुप्ता ने विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। क्लब संयोजक डॉ. धर्मा यादव ने कार्यक्रम संचालन किया और क्लब सदस्य डॉ. सुमन धनाका, प्राध्यापिका निशा सैनी एवं प्रियंका अग्रवाल की भी सक्रिय सहभागिता रही। इसके साथ ही महाविद्यालय के स्वरांचल क्लब डांस की ओर से अंतर्महाविद्यालय समूह नृत्य प्रतियोगिता 'लोक रंग' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में काजोल और डॉ. कामाक्षी तोमर ने मुख्य निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता में शामिल आठ टीमों ने देश के अलग अलग प्रांतों के लोक नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लगभग 150 छात्राएं और शिक्षिकाएं मौजूद रहे। समूह नृत्य प्रतियोगिता में अलहड़ कंवारियां ग्रुप ने प्रथम स्थान, टेक्निकल गर्ल्स ने द्वितीय स्थान और पंजाब दी शान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीट ब्रेकर्स ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

दुनिया भर में जिनकी फ़िल्मों के जानिब दीवानगी है

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

एक्टर-डायरेक्टर राजकपूर की जयंती

राजकपूर की फ़िल्मों से दर्शकों को सिर्फ़ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक संदेश भी मिलता था। भारतीयता उनकी फ़िल्मों की पहचान थी।

राजकपूर, हिंदी सिनेमा के पहले शोमैन थे। जिनकी नीली आंखों में सतरंगी सपने थे। वो आम आदमी के फ़िल्मकार थे और उन्होंने अपनी फ़िल्मों में आम आदमी के दुःख-दर्द, उनकी आशा-निराशा, स्वप्न और संघर्ष को बड़े ही खूबसूरती से अभिव्यक्ति दी। 'बरसात', 'आवारा', 'अनाढ़ी', 'श्री 420', 'जागते रहो', 'जिस देश में गंगा बहती है' 'संगम' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी फ़िल्में उनकी बेहतरीन अदाकारी और कल्पनाशील डायरेक्शन की वजह से जानी जाती हैं।

राजकपूर, नेहरू युग के प्रतिनिधि फ़िल्मकार थे और उन्होंने अपनी फ़िल्मों के ज़रिए उस दौर की बेहतरीन तर्जुमानी की। ख़ास तौर पर उनकी शुरुआती फ़िल्मों को देखने के बाद लगता है कि उस दौर में आम आदमी के संघर्ष, सपने और आकांक्षाएं क्या थीं ? ख़्वाजा अहमद अब्बास की इंक़लाबी क़लम से निकली दृष्टिसंपन्न कहानियों को राजकपूर ने फ़िल्मों में इस अंदाज़ में पेश किया कि लोग उनकी फ़िल्मों के दीवाने हो गये। अदाकार दिलीप कुमार, देव आनंद उनके समकालीन थे और इनका फ़िल्मों में उस वक्त बेहद दबदबा था। इन दोनों की अदाकारी के लाखों शैदाई थे। बावजूद इसके राजकपूर ने अपने निर्देशन और शानदार अदाकारी से एक अलग पहचान बनाई। दक्षिण एशिया से लेकर अरब मुल्कों, चीन, मॉरिशस और लेटिन अमेरिका के लोग उनकी फ़िल्मों में एक अपनापन महसूस करते थे। जिसमें अविभाजित सोवियत संघ और उसके बाद अलग हुए देशों में आज भी उनकी फ़िल्मों के जानिब ग़ज़ब की दीवानगी है। यहां तक कि पूंजीवादी देश भी राजकपूर की फ़िल्मों को पसंद करते हैं। बीसवीं सदी के आठवें दशक में अमेरिका के कई शहरों में राजकपूर की फ़िल्में दिखाई गईं और आरके रिट्रास्पेक्टिव आयोजित किया गया। जिन्हें देखने के लिए दर्शकों का सैलाब उमड़ पड़ा था।

राजकपूर और उनकी फ़िल्मों की मक़बूलियत का आलम यह है कि उनकी बनाई फ़िल्मों ने जितनी कमाई उनकी ज़िंदगी में नहीं की, उससे कहीं ज़्यादा यह फ़िल्में आज उनके परिवार को कमा कर दे रही हैं। यही नहीं सभी फ़िल्मों की लागत से ज़्यादा पैसा संगीत रॉयल्टी से मिला है और आज भी यह सिलसिला बंद नहीं हुआ है। मिसाल के तौर पर 'मेरा नाम जोकर' जब रिलीज़ हुई, बॉक्स ऑफ़िस पर यह नाकाम रही, मगर आज यह फ़िल्म खूब पसंद की जाती है। राजकपूर ने फ़िल्मी दुनिया में उस दौर में अपनी एक अलग पहचान बनाई, जब हिंदी सिनेमा में वी. शांताराम, मेहबूब खान, बिमल रॉय, गुरुदत्त, बीआर चोपड़ा जैसे दिग्गज निर्देशक एक साथ काम कर रहे थे। राजकपूर की फ़िल्मों से दर्शकों को सिर्फ़ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक संदेश भी मिलता था। भारतीयता उनकी फ़िल्मों की पहचान थी। 'बूट पॉलिश', 'अब दिल्ली दूर नहीं', 'जागते रहो', 'फिर सुबह होगी', 'तीसरी कसम' जैसी फ़िल्मों का तसव्वुर राजकपूर के बिना नामुमकिन है। उनकी फ़िल्म 'आवारा' को जो कामयाबी मिली, ऐसी कामयाबी बहुत कम फ़िल्मों को हासिल होती है। उस ज़माने में समाजवादी देशों में यह फ़िल्म ख़ूब पसंद की गई। पं. जवाहरलाल नेहरू, निकिता ख़ुश्चेव, माओ और अब्दुल ग़माल नासर जैसे वैश्विक लीडरों ने इस फ़िल्म की तारीफ़ की थी।

14 दिसम्बर, 1924 को अविभाजित भारत के पेशावर में जन्मे रणबीर राजकपूर को अभिनय विरासत में मिला। उनके पिता पृथ्वीराज कपूर रंगमंच और सिनेमा की कद्दावर शख़्सियत थे। फ़िल्मों में राजकपूर के रुजहान को देखते हुए, पिता पृथ्वीराज कपूर ने उन्हें निर्देशक केदार शर्मा के सुपुर्द कर दिया। जिनके साथ उन्होंने क्लैपर बॉय से शुरू कर, सहायक निर्देशक की ज़िम्मेदारी भी संभाली। केदार शर्मा ने ही उन्हें अपनी फ़िल्म 'नीलकमल' में पहली बार हीरो का रोल दिया।

राजकपूर को अपनी फ़िल्मों के लिए कई सम्मान और पुरस्कारों से नवाज़ा गया। फिल्म 'अनाढ़ी' और 'जिस देश में गंगा बहती है' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता एवं 'संगम', 'मेरा नाम जोकर', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली' फ़िल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फ़िल्मफ़ेयर अवार्ड मिला। वहीं उनकी फ़िल्म 'जागते रहो' कारलोवी वेरी अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्मोत्सव में ग्रा. प्री अवार्ड से सम्मानित की गई। साल 1969 में वह देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मानों में से एक 'पद्म भूषण' से नवाज़े गए, तो साल 1981 में उन्हें मॉस्को में सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

साल 1988 में भारत सरकार ने राजकपूर को हिंदोस्तानी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'दादा साहब फ़ालके पुरस्कार' देने का ऐलान किया। इस पुरस्कार के मिलने से वे बेहद खुश थे। ख़ुशी की वजह यह भी थी कि कुछ साल पहले इस सम्मान से उनके पिता पृथ्वीराज कपूर भी नवाज़े गए थे। उनके निधन उपरांत मिले इस सम्मान को राजकपूर ने ही लिया था। पृथ्वीराज कपूर यानी पापाजी को वो अपना आदर्श मानते थे। ज़िंदगी में उनका जैसा ही बनना चाहते थे। यह महज़ इत्तिफ़ाक़ भर है कि पृथ्वीराज कपूर और राजकपूर दोनों ही 'पद्म भूषण' सम्मान से सम्मानित किये गये, तो उन्हें 'दादा साहब फ़ालके पुरस्कार' भी मिला। यह एक ऐसा कीर्तिमान है, जो शायद ही कभी टूटे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

पंच महाभूतों में एक अग्नि भी शामिल

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत में विभिन्न प्रकार की ऊर्जा संरक्षण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। ऊर्जा संरक्षण का अर्थ है- ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को कम करके कम ऊर्जा का उपयोग कर ऊर्जा की बचत करना। ऊर्जा संरक्षण की योजना की दिशा में अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य के व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण निहित होना चाहिए।

पंच महाभूतों में एक अग्नि अर्थात ऊर्जा मनुष्य के जीवन की एक अनिवार्य आवश्यकता है। सम्पूर्ण ब्रह्मण्ड में ऊर्जा के रूप में अग्नि ताप ही व्याप्त है। भोजन भी हमारे लिए एक ईंधन का कार्य करती है, जिससे हमें बल, ताकत अर्थात ऊर्जा प्राप्त होती है। भोजन, ईंधन आदि ऐसी क्षमता प्रदान करते हैं, जिससे कार्य किया जा सकता है। बिना ऊर्जा के कोई भी कार्य संभव नहीं है। वस्तुतः किसी भी वस्तु के कार्य करने की क्षमता को ऊर्जा कहते हैं। ऊर्जा को कार्य करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। ऊर्जा के अनेक रूप होते हैं, तथा ऊर्जा भिन्न-भिन्न स्रोतों से प्राप्त होती है। यांत्रिक ऊर्जा, रासायनिक ऊर्जा, ध्वनि ऊर्जा, ऊष्णीय ऊर्जा, प्रकाशीय ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा, चुम्बकीय ऊर्जा आदि ऊर्जा के विभिन्न रूप हैं। भारतीय ग्रंथों में उल्लिखित तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत में प्राचीन काल से ही ऊर्जा के महत्व को समझकर उसके संरक्षण के लिए प्रयास किए जाने की वृहत परंपरा रही है। संसार के प्राचीनतम ग्रंथ वेद में अग्नि अर्थात ऊर्जा का महत्त्व और उसके संरक्षण के संबंध में वृहत वर्णन प्राप्य हैं। वैदिक मत में अग्नि अर्थात ऊर्जा को वैश्वानर कहा गया है। वैश्वानर का अर्थ है- विश्व को कार्य में संलग्न रखने वाली शक्ति। इस वैश्वानर अग्नि (ऊर्जा) को सृष्टि के निर्माण में मुख्य कारक माना गया है। इस वैश्वानर अग्नि के संरक्षक के रूप में ऋग्वेद 1/1/1 में कहा गया है-अग्निमीले पुरोहितम्। अर्थात- मैं अग्नि को चाहता हूं। उसकी उपासना करता हूं।

अग्नि के महत्व को प्रतिपादित करते हुए ऋग्वेद 5/44/15 में कहा गया है- अग्निर्जागार तमृचः कामयन्तेऽग्निर्जागार तमु सामानि पान्ति। अग्निर्जागार तमयं सोग आह तवाहमस्मि सायं न्योमाः।। अर्थात- अग्नि को जाग्रत रखने वाले को ऋचाएं चाहती है, उसे सामवेद का ज्ञान होता है। विद्या तथा सुख प्राप्त होते हैं। सोम उसे बन्धुवत मानता है। इस मंत्र में ऋग्वैदिक ऋषि अग्नि अर्थात ऊर्जा के सदुपयोग और संरक्षण की ओर संकेत करते हुए इसे जाग्रत रखने का उपदेश दे रहे हैं। जाग्रत रखने का अर्थ है- यथावत तथा निरन्तर बढ़ाते हुए रखना। वैदिक परंपरा में अग्नि को तीन रूपों - पार्थिव अग्नि, अंतरिक्ष अग्नि, द्यौस्थानीय अग्नि में माना गया है। पृथ्वी पर उपस्थित अग्नि को पार्थिव अग्नि कहा गया है। स्थानीय विद्युत अग्नि को अंतरिक्ष तथा सौर अग्नि को द्यौस्थानीय अग्नि माना गया है। इस तरह यह वैश्वानर अग्नि सर्वत्र व्याप्त है। संपूर्ण चराचर जगत इसी अग्नि से दैदीप्यमान है। अग्नि के महत्व को प्रतिपादित करते हुए ऋग्वेद 7/62/5 में तीन प्रकार के उपद्रवों से रक्षा करने की प्रार्थना अग्नि से की गई है- सूर्यो नो दिवस्पातु वातो अन्तरिक्षात्-अग्निर्नः पार्थिवेश्यः। अर्थात -सूर्य आकाशीय उपद्रवों से, वायु अंतरिक्ष के उपद्रवों से तथा अग्नि पृथ्वी के उपद्रवों से हमारी रक्षा करे। द्यौस्थानीय अग्नि से अथर्ववेद 2/16/3 में भी रक्षा करने की प्रार्थना किया गया है- सूर्य चक्षुषा मा पाहि। अर्थात- हे सूर्य! आप मुझ पर दुष्टिपात रखते हुए मेरी रक्षा कीजिए।

वैदिक ग्रंथों के अध्ययन से इस सत्य का सत्यापन होता है कि सृष्टि के आदि काल में ही सूर्य से प्राप्त होने वाली अक्षय सौर ऊर्जा के महत्व का ज्ञान हमारे पूर्वजों का रहा है, जिसका वर्णन वेद में हुआ है। सूर्य की इस सौर ऊर्जा का वर्तमान में भी बहुत महत्व है, और कभी खत्म न होने वाली सूर्य से प्राप्त इस सौर ऊर्जा का अनेक विधियों से आज भी सदुपयोग किया जा रहा है। इनमें से एक सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन है। ऋग्वेद 2/1/1 के अनुसार निपुत सूर्य की किरणों से उत्पन्न होती है, जो तत्काल जला डालने की शक्ति रखती है- त्वमग्ने युभिस्त्वमायुशुक्षणि। ऋग्वेद 10/85/2 के अनुसार सूर्य को सोम बलवान बनाता है।

। अथर्ववेद में 3/15/5 के अनुसार जल में अग्नि और सोम दोनों तत्व मिल हुए हैं- अग्नि षोमो बिभ्रति आप रतताः। यहां पर अग्नि का तात्पर्य ऑक्सीजन है, तो सोम का तात्पर्य हाइड्रोजन है। यजुर्वेद में सूर्य की ऊर्जा का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा गया है कि हे सूर्य! तुम्हारी दी हुई ऊर्जा तथा उस ऊर्जा से उत्पन्न अन्नादि कर्मों की सिद्धि करने वाला है। इसलिए आप हमें श्रेष्ठ कर्म में संयुक्त करें।

आधुनिक विज्ञान के अनुसार भी विभिन्न प्रकार की ऊर्जाओं का एक दूसरे में रूपांतरण किया जा सकता है। कार्य होने पर ऊर्जा एक रूप से दूसरी रूप में रूपांतरित होती है। प्रत्येक भौतिक, रासायनिक अथवा जैविक परिवर्तन की अवधि में ऊर्जा एक रूप से दूसरे रूप में रूपांतरित होती है। परन्तु इन सभी ऊर्जा रूपांतरणों के समय ऊर्जा का कुल परिमाण अपरिवर्तित रहता है। ऊर्जा को न तो उत्पन्न किया जा सकता है, और न ही इसे नष्ट किया जा सकता है। इसका केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तन होता है, और निकाय की सभी ऊर्जाओं का कुल योग नियत रहता है।

वर्तमान में भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में ऊर्जा का मुख्य स्रोत तेल व कोयला हैं। इनके खोज में वृहत कार्यक्रम चलाए जाने पर भी इनके नए स्रोतों का पता अत्यल्प संख्या में ही चल पाया है। जिसके कारण निकट भविष्य में ही तेल तथा गैस की मांग निश्चित रूप से उपलब्ध आपूर्ति से अधिक हो जाने की संभावना है। इस प्रकार की स्थिति को ऊर्जा संकट कहते हैं। ऊर्जा संकट के समय ऊर्जा की अधिक मांग व सीमित आपूर्ति होती है। जीवाश्मी ईंधन भी सीमित मात्रा में हैं। इसलिए ऊर्जा स्रोतों का संरक्षण करने के लिए इनका यथासंभव कम उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा बचाने के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। ऊर्जा के महत्व और ऊर्जा की बचत के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण करने के प्रति जागरूकता फैलाने तथा अत्यधिक व व्यर्थ में ऊर्जा के उपयोग के स्थान पर कम ऊर्जा के प्रयोग के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत में विभिन्न प्रकार की ऊर्जा संरक्षण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। ऊर्जा संरक्षण का अर्थ है- ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को कम करके कम ऊर्जा का उपयोग कर ऊर्जा की बचत करना। कुशलता से ऊर्जा का उपयोग भविष्य में उपयोग के लिए इसे बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण की योजना की दिशा में अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य के व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण निहित होना चाहिए। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने वर्ष 1991 में पुरस्कारों के माध्यम से अपने उत्पादन को बनाए रखते हुए ऊर्जा की खपत को कम करने में उद्योगों और प्रतिष्ठानों के योगदान को मान्यता देने हेतु राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार की शुरुआत की। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो प्रत्येक वर्ष 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली समारोह का नेतृत्त्व करता है। पहली बार यह पुरस्कार 14 दिसम्बर1991 को प्रदान किए गए थे। तब से ही प्रत्येक वर्ष इस दिन राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है, और समारोह पूर्वक प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

भविष्य की चिंता खाए जात है...

मुकेश राठौड़
व्यंग्यकार

बुधन का एक ही बेटा था। चार-छह भी होते तो क्या हुआ! अपने बच्चे किसे बुरे लगते हैं! बंदरिया का बच्चा कौन सा उसे तीरथ करवाता है जो उसे छाती से चिपकाए चारों दिशाओं में घूमती रहती है और कौन सा चिड़िया का बच्चा कल को उसे कमाकर खिलाएगा जो वह अपने मुंह का दाना बच्चे के मुंह में देती है! बस इसलिए कि बच्चों का भविष्य बन जाए। बुधन को भी बेटे के भविष्य की चिंता थी। घर में बचत-बारीकी की लेकिन बेटे को कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाया। बेटे का डॉक्टरी पढ़ाई हेतु चयन हुआ।

बड़ी इच्छा थी कि सरकारी कॉलेज मिल जाए लेकिन नंबर कम होने से प्राइवेट कॉलेज मिला। एक बुधन की बात नहीं सबकी बात है कि "विद्यालयी दिनों में प्रायः बुरे लगने वाले सरकारी विद्यालय,महाविद्यालयी दिनों में एकाएक प्यारे लगने लगते हैं।" वजह पैसा। इधर लेते ही नहीं, उधर अपेक्षाकृत कम लेते हैं। बड़ी मुसीबत है सेवाओं के बदले कुछ भी न लिया जाए तो लोग यों ही समझकर छोड़ देते हैं। गोया भंडारे की प्रसादी हो। प्राइवेट स्कूल-कॉलेज में बच्चों को गरीबी के बूते भले मुफ्त प्रवेश मिल जाए, लेकिन जेब हमेशा गरम रखनी पड़ती है। कान इधर से छुड़ा लो तो उधर से पकड़ लेते हैं। बेटे की पढ़ाई के लिए बुधन को अपनी आठ बीघा जमीन बेचनी पड़ी। यही एक रास्ता था। पूत कपूत क्यों धन संचय, पूत सपूत क्यों धन संचय! भूमिहीन बुधन अब लोगों की जमीन साझे से जोतने लगा। यह भी गंवारा था। बेटे के डॉक्टर बनने तक की तो बात थी। फिर तो सारी उमर बैठ-बैठ ही खाना है। बुधन अभी सुनहरे भविष्य की सपने बुन ही रहा था कि पत्नी साथ छोड़ गई। पत्नी के चले जाने से वह बुरी तरह टूट गया।" घर टूट जाए, घर का कीमती सामान...,यहां तक कि हाथ-पैर, हड्डी-पसलियां भी, आदमी उतना नहीं टूटता जितना पत्नी के चले जाने से टूटता है।" उसे अर्द्धांगिनी कहा गया है। जब आदमी के आधे अंग ही टूट जाए तो उसे टूटना ही है। प्रायः बड़े महलों में टूटे हुए परिवार देखे जाते हैं, लेकिन टूटे हुए आदमी महल से झोपड़ों तक मिल जाएंगे।

बेटे के भविष्य की खातिर बुधन ने खुद को बिखरने नहीं दिया। समय के साथ बेटे की पढ़ाई पूरी हुई। अपने गृह ब्लॉक में ही उसे मेडिकल ऑफिसर की नौकरी मिल गई। नौकरी मिली तो छोकरी भी मिलनी ही थी। लोग चढ़ते सूरज को अर्घ्य देते हैं। सो एक सेठ ने चढ़ा दिया पानी। सेठ ने 'दोहरे चूल्हे' से ब्याह करवाया। बुधन को दुल्हन लाने के लिए बेटे की बारात के अलावा कुछ भी लेकर नहीं जाना पड़ा। बहू के आने से सारी चिंताएं दूर हो गई। बहू घर रहती और बेटा घर से आना-जाना कर लेता। समय बीता पुत्र को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। अब पुत्र को भी वही चिंता सताने लगी जो कभी बुधन को सताती थी। बल्कि बुधन से कहीं ज्यादा।" अनपढ़ मां-बाप की तुलना में पढ़े लिखे मां-बाप अपने बच्चों के भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित रहते हैं।" बच्चे के दूध के दांत गिरते नहीं और उसे डेंटिस्ट बनाने की योजना पर काम शुरू कर देते हैं। एक दिन डॉक्टर बेटे ने शहर जा बसने का फैसला लिया। वह बीवी-बच्चों सहित शहर चला गया। उसे जाना ही था। सभी जा रहे हैं, तो वह क्यों रुकता। अब मजदूर को भी गांव में भविष्य नहीं दिखाई पड़ता, तो फिर...! गांव के आदमी पर जब शहर का भूत सवार होता है तो फिर उसे गांव की हर चीज शान के खिलाफ लगती है। ठेठ देहाती मां-बाप भी...। बुधन विचारता भूत के पांव पीछे, भविष्य के आगे होते हैं, लेकिन वर्तमान के पैर नहीं पर भी होते हैं, वह चलते-चलते कब उड़ जाता है पता ही नहीं चलता! उसे एक बार फिर भविष्य की चिंता सताने लगी, लेकिन अबकी बार बेटे के भविष्य की नहीं बल्कि...।

नॉलेज कॉर्नर: दुनियाभर में चल रही हैं न्यू ईयर सेलिब्रेशन की तैयारी

15वीं सदी में शुरू हुई नववर्ष मनाने की परंपरा

वर्ष2023 अब खत्म होने की कगार पर है अब इस साल में बस कुछ ही दिन बाकी हैं। एक जनवरी को पूरे विश्व भर में हमेशा की ही तरह नया साल लोग हर्षोल्लास के साथ अपने-अपने तरीके से मनाएंगे। खूब सेलिब्रेट करेंगे। इस दिन पूरी दुनिया में खूब उत्साह होता है, हर जगह लोग जमकर पार्टियां करते हैं। इसे बेहद हर्षोल्लास के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है पहले 1 जनवरी को नया साल नहीं मनाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि आखिर सबसे पहले 1 जनवरी को नया साल कब और कहां मनाया गया था। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

यूं हुई थी शुरुआत

1 जनवरी को नया साल मनाने की परंपरा का इतिहास काफी पुराना है। इसकी शुरुआत ग्रेगोरियन कैलेंडर के तहत 15वीं सदी में सन 1582 के अक्टूबर महीने के में हुई थी। आपको बता दें इस तारीख से पहले पूरी दुनिया में जूलियन कैलेंडर फॉलो किया जाता था। उसमें सिर्फ 10 ही महीने होते थे तब क्रिसमस के दिन ही नया साल मनाया जाता था। लेकिन इसके बाद अमेरिका के एक फिजिशियन अलॉयसिस लिलिअस ने एक नया कैलेंडर दुनिया को दिया। इसे ग्रेगोरियन कैलेंडर कहा गया जिसमें साल का पहला दिन 1 जनवरी को माना गया और तभी से 1 जनवरी को नए साल मनाने की परंपरा चली आ रही है।

भारत में इस तरह मनाते हैं नववर्ष

भारत बड़ा देश है इसमें कई तरह की संस्कृति और कई धर्म वाले लोग रहते हैं। भारत में नया साल अलग-अलग समय पर मनाया जाता है। अगर हिंदू नव वर्ष की बात की जाए तो चैत्र मास में शुक्ल प्रतिपदा से इसकी शुरुआत होती है। वहीं अगर मराठी लोगों की बात की जाए तो वह गुड़ी पाड़वा के समय नव वर्ष के आगमन को मानते हैं। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश कर्नाटक और तेलंगाना में उगादि को नए साल के तौर पर मनाया जाता है। केरल में अप्रैल के महीने में नव वर्ष मनाया जाता है।

पहले मार्च से होती शुरुआत

15वीं शताब्दी से पहले मार्च को ही साल का पहला महीना माना जाता था। पहले नया साल 25 मार्च या फिर 25 दिसंबर को मनाया जाता था। रोम के पहले राजा नूमा पोंपलिस ने रोमन कैलेंडर में बदलाव किया गया और 2 महीने जोड़े गए। फिर इसके बाद से ही जनवरी को साल का पहला महीना माना जाने लगा। *कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन*

भजनलाल शर्मा, मनोनीत मुख्यमंत्री
@BhajanLalBJP
नेता विधायक दल भाजपा राजस्थान चयनित होने के पश्चात मेरे निर्वाचन विधानसभा क्षेत्र सांगानेर की जनता द्वारा जो अपार स्नेह व शुभाशीष प्रदान किया गया उसके लिए आप सभी का सहृदय आभार व्यक्त करता हूं।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
कर्म ही जीवन का आधार है। हम कौन हैं की इन आधारशिलाओं को उन पहियों में बदलना जो घूमेंगे और फिर उड़ने वाले पंख आध्यात्मिक प्रक्रिया का सार है।

नीतीश की वाराणसी में प्रस्तावित रैली से गरमाई सियासत, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने किया प्रहार

नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती

एजेंसी | नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'फ्यूज्ड बल्ब' करार दिया और उन्हें वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी। बिहार के मुख्यमंत्री के इस महीने के अंत में वाराणसी में रैली करने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने कहा, नीतीश कुमार एक फ्यूज्ड बल्ब हैं, जो टिमटिमा सकता है, लेकिन कभी रोशनी नहीं

फैला सकता। वह मध्य प्रदेश में अपने उम्मीदवारों को नहीं जिता सके... उनका प्रभाव उनके राज्य तक ही सीमित है। वह अखिलेश यादव की वजह से रैली कर रहे हैं... हिम्मत हो तो नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़िए। अरविंद

केजरीवाल लड़ने आए और भाग गए। ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी से सांसद हैं। नीतीश कुमार 24 दिसंबर को वाराणसी के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं।

नीतीश की कोई विश्वसनीयता नहीं: गिरिराज सिंह

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की कोई विश्वसनीयता नहीं है, वह क्या भूमिका निभाने जा रहे हैं? बिहार में भी उनकी कोई भूमिका नहीं बची है। सार्वजनिक जीवन में उनकी भूमिका उस दिन खत्म हो गई जब उन्होंने बिहार विधानसभा में महिलाओं का अपमान किया और कामसूत्र के नए निर्माता बन गए।

मनोज झा ने कसा तंज, क्या PM वाराणसी के मालिक हैं !

इस बीच, राजद के नेता मनोज झा ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह अगली बार भी चुने जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र में बिहार के मुख्यमंत्री की रैली के बारे में पूछे जाने पर झा ने कहा, क्या वह अपराध कर रहे हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी के मालिक हैं? एक जन प्रतिनिधि एक जन प्रतिनिधि होता है... इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह अगली बार चुने जाएंगे। नीतीश कुमार एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं। कोई भी आम नागरिक वाराणसी जा सकता है

जद(यू) 29 को करेगा लोकसभा चुनावों की तैयारियों पर मंथन

■ पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में

नई दिल्ली। जनता दल (यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 दिसंबर को नई दिल्ली में होगी, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। सूत्रों का कहना है कि नीतीश बैठक के दौरान जद (यू) नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर उनका मार्गदर्शन करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आफाक अहमद खान बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने 29 दिसंबर को नई दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक निर्धारित की है।

हरियाणा: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राम प्रकाश का निधन

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस की हरियाणा इकाई के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राम प्रकाश का बुधवार को यहां उनके आवास पर निधन हो गया। परिवार के करीबी लोगों ने यह जानकारी दी। वह 84 वर्ष के थे। उनका दोपहर में यहां अंतिम संस्कार किया गया। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता एचएस चट्ठा और अशोक अरोड़ा एवं जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता ईश्वर सिंह ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रकाश 1991 से 1994 तक पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भजनलाल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा मंत्री थे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रकाश के निधन पर शोक व्यक्त किया।

'जो भाजपा की वॉशिंग मशीन' में नहीं गए, वे भ्रष्टाचारी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पार्टी के सांसद धीरज प्रसाद साहू के परिसरों से 350 करोड़ रुपए से अधिक की नगदी बरामदगी के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले के बाद उन पर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि जो भाजपाई वॉशिंग मशीन में नहीं गए, वह भ्रष्टाचारी हो गए, लेकिन जिन्होंने उसमें स्नान कर लिया, वह आज्ञाकारी बन गए। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री जी 'मनी हाइस्ट' की बात कर रहे हैं, तो लगे हाथ, यह भी बता दें कि जानबूझकर कर्ज अदा नहीं करने वाले 16,663 लोगों ने बैंको को 3.35 लाख करोड़ रुपए का चूना कैसे लगाया? क्या कारण है कि 2014-15 के बाद से बैंकों द्वारा 10.42 लाख करोड़ रुपये का कारपोरेट कर्ज बट्टे खाते में डाला गया, वास्तविक ऋण वसूली 1.61 लाख करोड़ ही क्यों रही?

भोपाल व रायपुर में हुए शपथग्रहण समारोह में पीएम मोदी रहे मौजूद

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में ली नए मुख्यमंत्रियों ने पद की शपथ

एजेंसी | भोपाल/रायपुर

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में में बुधवार को नई भाजपा सरकार ने कार्यभार संभाल लिया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भाजपा विधायक दल के नेता मोहन यादव को राज्य के मुख्यमंत्री पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई जबकि राजेंद्र शुक्ला और जगदीश प्रसाद को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

मुख्यमंत्री के रूप में यादव की नियुक्ति से भाजपा के दिग्गज नेता और चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के युग का भी अंत हो गया, जिन्होंने करीब दो दशकों तक राज्य की राजनीति पर दबदबा बनाए रखा। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा विधायक दल के नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दोनों राज्यों में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य राज्यों के पार्टी नेता शामिल हुए। रायपुर में शपथग्रहण समारोह के दौरान राज्य के लगभग 50 हजार लोग भी शामिल हुए। मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव भी मौजूद रहे। मंच पर प्रधानमंत्री मोदी ने बघेल से हाथ मिलाया। कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता नारायण चंदेल ने कहा कि जल्द ही साय मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और यह एक संतुलित मंत्रिमंडल होगा।

मध्य प्रदेश: एक्शन में सीएम, तय सीमा से तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर पर रोक

शपथ ग्रहण के साथ ही सीएम मोहन यादव एक्शन मोड में आ गए हैं। उन्होंने कार्यभार संभालते ही धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर निर्धारित मापदंडों से ज्यादा आवाज में बजाए जाने वाले लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगाये जाने के आदेश जारी कर दिए। इस संबंध में राज्य के गृह मंत्रालय की ओर से आदेश जारी कर दिए गए। आदेश के मुताबिक, अब राज्य में धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर नहीं बजेंगे। आदेश में कहा गया है कि अनियंत्रित ध्वनि विस्तारक यंत्रों यानी तेज आवाज वाले लाउड स्पीकरों के इस्तेमाल पर ही प्रतिबंध है। नियमित एवं नियंत्रित लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं होगा।

छत्तीसगढ़: मंत्रिमंडल की बैठक आज तय होंगी सरकार की प्राथमिकताएं

शपथ ग्रहण के बाद साय ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि उनके मंत्रिमंडल की पहली बैठक गुरुवार को होगी। बैठक में प्राथमिकता के आधार पर लिए जा सकने वाले फैसलों के बारे में पूछे जाने पर साय ने कहा, हम इस पर मंत्रिमंडल में चर्चा करेंगे। हमारे चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों की 'मोदी की गारंटी' क्या हैं, इस पर कैबिनेट में चर्चा होगी और प्राथमिकताएं तय की जाएंगी। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद साय ने कहा था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए 18 लाख मकानों को मंजूरी देना पहला काम होगा। मोदी जी की सारी गारंटी, हमारे चुनावी वादे अगले पांच साल में पूरे हो जाएंगे।

मणिपुर में जातीय हिंसा

मिजोरम आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे: बीरेन सिंह

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मिजोरम के अपने समकक्ष लालदुहोमा से राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने का अनुरोध किया। सिंह ने कहा कि पड़ोसी राज्य मणिपुर में जातीय संघर्ष के समाधान के लिए अपना समर्थन दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री से दूसरे राज्य के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचने की अपील की।

सिंह ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था, मैंने मिजोरम के नवनियुक्त मुख्यमंत्री की एक टिप्पणी के बारे में सुना है जिसमें उन्होंने कहा है कि राज्य की पुलिस को मोरेह में उनके लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए। मुझे लगता है कि यह उनके संवैधानिक अधिकारों से थोड़ा बाहर है। यह मणिपुर सरकार का आंतरिक मामला है। मोरेह एक सीमावर्ती कस्बा है जो मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित है। इससे पहले, एक सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, मैंने हमारे राज्य में जातीय हिंसा के बारे में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो से बात की और उन्होंने इस मुद्दे को सुलझाने व शांति बहाल करने के लिए अपना समर्थन देने की पेशकश की।

सिंह ने कहा, मैंने त्रिपुरा, मेघालय और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों से भी बातचीत की और उन्होंने भी राज्य में स्थिति सामान्य बनाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया। सिंह ने जोर देकर कहा, मैं यह सब इसलिए बता रहा हूं क्योंकि मणिपुर और मिजोरम के बीच कोई असहमति या झगड़ा नहीं है। मिजोरम में मेइती और मणिपुर में मिजो लोग हैं। असम और त्रिपुरा में भी एक लाख से अधिक मेइती हैं। पूर्वोत्तर में हम सभी साथ रहते हैं।

क्यों है टकराव

दोनों पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर व मिजोरम की सीमा म्यांमार के चिन प्रांत से लगती हैं। जहां कुकी जनजाति से संबंधित लोग रहते हैं। मिजोरम ने हाल में म्यांमार में वहां की सेना व विद्रोहियों के बीच संघर्ष के बाद आए लोगों को शरण दी है। मणिपुर संकट के पीछे म्यांमार से आए अवैध अप्रवासियों को माना जाता है। मिजोरम के सीएम ने विस्थापितों को शरण देना जारी रखने की बात कही है।

गुजरात में आम आदमी पार्टी को झटका

भयानी का विधानसभा से इस्तीफा

एजेंसी | अहमदाबाद

गुजरात में आम आदमी पार्टी के विधायक भूपेंद्र भयानी ने बुधवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा करने के लिए 'आप' सही मंच नहीं था। इस घटनाक्रम को 'आप' के लिए एक झटका माना जा रहा है। भयानी राज्य विधानसभा में जूनागढ़ के विसावडर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। भयानी ने गांधीनगर में सुबह गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी को अपना इस्तीफा सौंपा। गुजरात विधानसभा के सचिव डी एम पटेल ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष ने भयानी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

SAD के स्थापना दिवस के मौके पर सेवा

अमृतसर। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल अपनी पार्टी के 103 वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर अमृतसर स्थित स्वर्णमंदिर में पार्टी नेताओं के साथ सेवा करते हुए।

केरल: विवि की सीनेट में मनोनयन को लेकर विवाद

राज्यपाल ने सीएम व मंत्रियों पर साधा निशाना, कहा- उन्हें कोई शर्म नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान तथा वाम सरकार के बीच चल रही जुबानी जंग बुधवार को और तेज हो गई। एक तरफ राज्यपाल खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और मंत्रियों पर आरोप लगाया कि उन्हें कोई शर्म नहीं है, वहीं दूसरी तरफ विजयन ने खान पर अतीत में अवसरवादी होने का आरोप लगाया। राज्यपाल खान राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों की 'सीनेट' में उनके द्वारा किए गए मनोनयन पर वाम सरकार के मंत्रियों की ओर से उनकी कथित आलोचना का जिक्र करते हुए

सीएम व मंत्रियों पर प्रहार किया। खान ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में कहा, उन्हें इसकी चिंता क्यों है कि मैं सीनेट के लिए किसे नामित करता हूं? मुख्यमंत्री और मंत्रियों को तनिक भी शर्म नहीं है।

राज्य के वित्त मंत्री आए और एक व्यक्ति को नामित करने का मुझसे अनुरोध किया। इन लोगों को किस प्रकार पता चला कि जिन लोगों को मैंने नामित किया है, वे कुलपति द्वारा अनुशंसित सूची से भिन्न थे?

मुझे कोई किसी को नामित करने को बाध्य नहीं कर सकता

खान ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में जांच के आदेश दिए हैं और अगर यह पाया गया कि कुलपति मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित नामों की सिफारिश कर रहे थे, तो मैं उन कुलपतियों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। कोई मुझे किसी को नामित करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। अगर मेरे पास अधिकार है, तो मैं अपने विवेक का इस्तेमाल करूंगा। विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में उनके द्वारा केरल विश्वविद्यालय की सीनेट में चार छात्रों के मनोनयन पर हाई कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर खान ने कहा कि उन्हें इसकी वजहों की जानकारी नहीं है। उच्च न्यायालय ने मनोनयन पर रोक लगाते हुए इस बारे में कुछ नहीं कहा।

नव केरल सदास के उद्देश्य पर उठाए सवाल

खान ने राज्य सरकार के आउटरीच कार्यक्रम, 'नव केरल सदास' के उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए पूछा, 'क्या यह मनोरंजन के लिए है। खान ने कहा कि अगर इरादा आवेदन या याचिकाएं इकट्ठा करने का था, तो उन्हें स्थानीय स्तर पर एकत्र किया जा सकता था और राज्य की राजधानी भेजा जा सकता था। अगर लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्रदान किया जा रहा है तो यह बहुत अच्छा है। लेकिन मौके पर किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा।इसलिए, क्या यह यात्रा मनोरंजन के लिए है? इसका उद्देश्य क्या है? वे कहते हैं कि उन्होंने तीन लाख से अधिक याचिकाएं एकत्र कीं। क्या इसका यही उद्देश्य है?

क्या है नव केरल सदास

नव केरल सदास प्रदेश की वाम मोर्चा सरकार का संपर्क कार्यक्रम है, जिसके तहत मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

सीएम विजयन का पलटवार

मुख्यमंत्री विजयन ने कोट्टायम में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि राज्यपाल को राज्यपाल की तरह काम करना चाहिए और उन्हें यह नहीं सोचना कि वह कुछ भी कर सकते हैं या फिर जो महसूस करते हैं तो वह कह सकते हैं। उन्हें (राज्यपाल) सिर्फ वही करना चाहिए, जिसकी संविधान के अंतर्गत उनके कार्यालय को मंजूरी दी गई है। वह जिस पद पर हैं, उसके महत्व को कम न करें। यह अच्छा होगा अगर आरिफ मोहम्मद खान एक व्यक्ति के रूप में इसे समझें और उसके मुताबिक काम करें।

जरूरी खबर

NIA की कर्नाटक में छह स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी द्वारा कैदियों को कट्टरपंथी बनाने के मामले में बुधवार को बेंगलुरु में छह स्थानों पर छापेमारी की। संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि अक्टूबर में दर्ज किए गए मामले की जांच के तहत चार आरोपियों और दो अन्य संदिग्धों के घरों पर छापेमारी की गई है। इन चार में से एक आरोपी अभी फरार है। छापेमारी में कई डिजिटल उपकरण, आपत्तिजनक दस्तावेज और 7.3 लाख रुपए नकद जब्त किए।

बिटकॉइन घोटाले में FIR को CBI के पास भेजा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले से संबंधित कई प्राथमिकियां आगे की जांच और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पास भेजने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि इन मामलों की सुनवाई नई दिल्ली के राउज एवेन्यू में विशेष सीबीआई अदालत में की जाएगी। पीठ ने 45 से अधिक प्राथमिकियों में आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के 30 अगस्त, 2019 के अपने पहले के आदेश को संशोधित किया और कहा कि यह अब लागू नहीं है।

प्रदूषण रोकने के लिए न्यायिक निगरानी जरूरी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली पराली जलाने की घटनाएं बंद होनी चाहिए। अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित किया कि लोग ऐसा न करें क्योंकि हर साल सर्दियों के मौसम में इसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। पराली जलाने की घटनाओं को गंभीर बताते हुए न्यायाधीश संजय किशन कौल और न्यायाधीश सुधांशु धूलिया की पीठ ने संबंधित राज्य सरकारों को प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। हर साल सर्दियों के दौरान दिल्ली-एनसीआर को परेशान करने वाले गंभीर वायु प्रदूषण से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत ने कहा, आइए हम कम से कम अगली सर्दियों को थोड़ा बेहतर बनाने का प्रयास करें।

शहीदों को नमन पर सुरक्षा में चूक ने डाला रंग में भंग

संसद पर 2001 में हुए आतंककारी हमले के शहीदों को बुधवार को संविधान सदन (पुराना संसद भवन) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं नए संसद भवन में बैठक के दौरान कुछ लोगों ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया और लोकसभा में एक केन से पीले रंग की गैस छोड़ी। इस दौरान आरोपी युवती और युवक को पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया। लोकसभा के गैलेरी से लोकसभा चैंबर में कूदने और दो अन्य लोगों के संसद के बाहर प्रदर्शन के दौरान गैस छोड़ने के मामले की जांच करते पुलिसकर्मी।

लोकसभा की सुरक्षा में सेंध पर विपक्ष ने उठाए सवाल

गृह मंत्री से मांगा स्पष्टीकरण और कहा, तत्काल ध्यान देना जरूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी दलों के सांसदों ने बुधवार को लोकसभा की सुरक्षा में सेंध की घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से स्पष्टीकरण की मांग की। कई सांसदों ने यह आरोप भी लगाया कि नए संसद भवन में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है और इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। लोकसभा के दौरान बुधवार को दर्शक दीर्घा से दो लोग अचानक सदन के भीतर कूद गए और 'केन' के जरिए धुआं फैला दिया। सदन में करीब एक बजे शून्यकाल के दौरान यह घटना घटी। तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वह संसद की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई सुरक्षा योजना नहीं है...अगर संसद की सुरक्षा में इस तरह से सेंध लगाई जा सकती है, तो देश कैसे सुरक्षित रह सकता है?

सांसद की अनुशंसा पर मिले पास: थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह घटना कई सवाल उठाती है। उन्हें पता चला है कि सत्तारूढ़ पार्टी के एक सांसद ने दोनों व्यक्तियों के पास का अनुमोदन किया था। उन्हें सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद द्वारा लाया गया था। यह इतना गंभीर मामला है कि शायद गृह मंत्री खुद देश को सुरक्षा चूक और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताना चाहते हों। बसपा से निलंबित किए गए लोकसभा सदस्य दानिश अली ने दावा किया कि सदन में कूदने वाले दोनों व्यक्तियों में से एक सागर शर्मा का पास मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की अनुशंसा पर बना था। आरएसपी के सांसद एनके प्रेमचंदन ने कहा कि यह सुरक्षा चूक बहुत गंभीर है क्योंकि 'सिख फॉर जस्टिस' के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने संसद पर हमला करने की धमकी दी थी। यह भारतीय लोकतंत्र पर हमला है।

लोकसभा अध्यक्ष के पास जाने की कोशिश की: हनुमान बेनीवाल

सदन में कूदने वालों को पकड़ने वाले सांसदों में शामिल रहे हनुमान बेनीवाल ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि उनके लिए विजिटर पास की अनुशंसा किसने की। बेनीवाल ने कहा, शून्यकाल के दौरान 150 से अधिक सांसद मौजूद थे... उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास आने की कोशिश की। उनके जूतों में कुछ था। इसकी जांच होनी चाहिए कि वे किसके मेहमान थे।

संसद को भी मिलती है 'जेड प्लस' सुरक्षा

संसद भवन की सुरक्षा के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मदद से एक अचूक । चार स्तरीय सुरक्षा घेरा रहता है। जिसे 'जेड प्लस' सिक्योरिटी, का भी नाम दिया गया है। संसद भवन में सक्षम बल सदैव मौजूद रहते हैं।

पीडीजी के पास है सुरक्षा जिम्मा

संसद भवन की ओवरआल सुरक्षा का जिम्मा 'पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप' के पास रहता है। इसमें सीआरपीएफ के जांबाज अफसर/जवान रहते हैं। 'कोबरा' जैसी विशेष प्रशिक्षित इकाई को भी पीडीजी में शामिल किया जाता है।

यूं होती है सुरक्षा

संसद भवन के गेटों पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात होते हैं। आगुंतकों की जांच का काम भी उन्हीं को सौंपा गया है। दिल्ली पुलिस ही उनका सामान, मोबाइल फोन, बैग या फाइलों की जांच करती है। इस जांच के बाद संसद भवन परिसर में पहुंचा जा सकता है।

- अगर किसी को लोकसभा या राज्यसभा की कार्यवाही देखनी है, तो दर्शक दीर्घा में जाने से पहले दोबारा से जांच होती है। दिल्ली पुलिस के जवान, मैटल डिटेक्टर की मदद से वहां पर आगुंतकों की जांच करते हैं।
- तीसरे सुरक्षा घेरे में पीएसएस के कर्मी रहते हैं। वे लोगों के पास आदि तैयार करते हैं। दस्तावेज जांचने की जिम्मेदारी भी इन्हीं की रहती है।

दीर्घाओं में ना के बराबर तैनाती

अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था को कर दिया उजागर

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद में बुधवार को हुई बड़ी सुरक्षा चूक ने सुरक्षा प्रोटोकॉल में कमियों को सामने ला दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा सुरक्षा चूक के मुद्दे पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कई नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया। सूत्रों के अनुसार, संसद के सुरक्षा कर्मचारी आगंतुकों को उनके वहां रुकने की समयसीमा के पूरा होते ही बाहर निकाल देते थे, लेकिन नए भवन की दीर्घाओं में उनकी तैनाती लगभग ना के

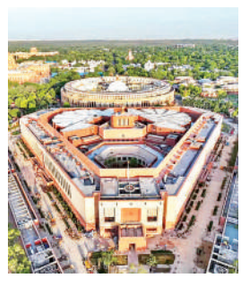

बराबर थी, क्योंकि वे बदलती सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी में व्यस्त रहे।

सोशल मीडिया पर सक्रिय था आरोपी

सागर शर्मा ने अपने आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रयास करना जरूरी है, फिर चाहे आप जीतें या हारें।अब देखना ये है सफर कितना हसीं होगा। उम्मीद है फिर मिलेंगे।'सागर अपने अन्य साथी के साथ दर्शक दीर्घा से कूदकर सदन में अफरातफरी मचा दी जिसे सांसदों ने पकड़ लिया।

प्रदर्शन में शामिल होने की कहकर निकला

सागर के परिवार के सदस्यों ने कहा कि वह दिल्ली में एक 'विरोध-प्रदर्शन' में शामिल होने के लिए दो दिन पहले लखनऊ स्थित अपने घर से चला गया था। हालांकि परिवार का कहना है कि उन्हें इस बात का बिलकुल भी अंदाज नहीं था कि वह संसद की सुरक्षा में सेंधमारी की घटना में शामिल होने के लिए जा रहा है।

गगनयान मिशन

नहीं मिली मदद, इसरो खुद विकसित करेगा ECLSS

एजेंसी | पणजी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि आगामी मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए 'पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली' (ईसीएलएसएस) अन्य देशों से नहीं मिलने के बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने इसे खुद विकसित करने का फैसला किया है।

गगनयान परियोजना के अंतर्गत इसरो एक मानव चालक दल को 400 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजेगा और फिर उन्हें

सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए समुद्र में उनकी लैंडिंग कराई जाएगी। गगनयान को 2025 में प्रेक्षपित किए जाने की उम्मीद है। सोमनाथ ने कहा, हमें पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली को विकसित करने का अनुभव नहीं है। हम सिर्फ और सिर्फ रॉकेट और उपग्रह की रचना करते हैं। हमने सोचा था कि इस तरह की जानकारी को दूसरे देशों से प्राप्त कर लेंगे लेकिन दुर्भाग्यवश ढेर सारी चर्चाओं के बाद भी कोई देश हमें ये देने का इच्छुक नहीं है। इसरो ने अब खुद से ईसीएलएसएस विकसित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम हमारे पास मौजूद ज्ञान और उद्योगों का उपयोग करके इसे भारत में विकसित करने जा रहे हैं। सोमनाथ गोवा के विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम 'मनोहर परिकर विज्ञान महोत्सव 2023' के 5वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम गोवा के डोना पाउला में आयोजित किया गया।

डिजायन निर्माण क्षमता विकसित करने में जुटे हैं

गगनयान कार्यक्रम के समक्ष चुनौतियों के बारे में उन्होंने कहा कि भारत पिछले कई वर्षों से निर्माण डिजाइन क्षमता को विकसित करने के लिए ज्ञान अर्जित करने में लगा हुआ है और इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम होने जा रहा है। उन्होंने कहा, जब हम अपने गगनयान कार्यक्रम के माध्यम से मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजें तो मुझे लगता है कि हमारे पास कौशल व आत्मविश्वास वर्तमान में मौजूद कौशल व आत्मविश्वास से कहीं अधिक होना चाहिए।

बिना स्टाम्प के समझौते अवैध नहीं: सुप्रीम कोर्ट

साक्ष्य के रूप में नहीं है स्वीकार्य

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की सात-सदस्यीय संविधान पीठ ने बुधवार को फैसला सुनाया कि पक्षों के बीच बिना स्टैम्प लगे या उचित स्टैम्प के अभाव वाले समझौतों में मध्यस्थता उपबंद लागू होता है क्योंकि इस प्रकार की कमी को दूर किया जा सकता है और इस खामी से करार अवैध नहीं हो जाता। अनुबंध के पक्षकारों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता उपखंड वाले कॉरपोरेट और अन्य समझौतों के लिए महत्वपूर्ण यह फैसला इस साल

अप्रैल में दिए गए पांच-न्यायाधीशों की पीठ के फैसले को खारिज कर देता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि 'स्टैम्प नहीं होने से समझौता अमान्य या अप्रवर्तनीय नहीं हो जाता, लेकिन इसे सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। किसी समझौते पर स्टैम्प न लगने या उचित स्टैम्प नहीं लगने का दस्तावेज की वैधता से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि इस खामी को दूर किया जा सकता है।

ऑरमेक्स ने जारी की नवंबर माह के टॉप टेन मोस्ट पॉपुलर बॉलीवुड स्टार्स की सूची

शाहरुख पॉपुलैरिटी में हीरो नंबर 1 हीरोइनों में आलिया TOP पर

बेधड़क.जयपुर। साल 2023 पूरी तरह से शाहरुख खान के नाम पर रहा। किंग खान ने इंडस्ट्री में जबरदस्त कमबैक किया। उन्होंने दो ब्लॉक बस्टर मूवीज जवान और पठान इसी साल में दीं और अब तीसरी भी ऐसा ही कमाल करेगी, ऐसा ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है। अब किंग खान पॉपुलैरिटी में भी बॉलीवुड स्टार्स में किंग बनकर उभरे हैं। ऑरमेक्स मीडिया की ओर से जारी नवंबर माह के टॉप टेन मोस्ट पॉपुलर स्टार्स मेल (हिंदी) की सूची में शाहरुख नंबर वन पर हैं। हीरोइंस में आलिया भट्ट टॉप पर हैं।

'भाईजान' की दूसरी पोजिशन, 'अल्फा बॉय' चौथे नंबर पर

बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर टॉप टेन स्टार्स में भाईजान दूसरी पोजिशन पर हैं। उनकी इस साल टाइगर थ्री मूवी रिलीज हुई है। वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स की यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी रही है। एनिमल से सिनेमा स्क्रीन पर तबाही मचा रहे रणबीर कपूर इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। इस मूवी के आने के बाद उनकी पॉपुलैरिटी में काफी इजाफा हुआ है। कई मवीज के फ्लॉप होने के बाद भी अक्षय कुमार की पॉपुलेरिटी ज्यादा नहीं घटी है, वे तीसरी पॉजीशन पर हैं। सबसे ज्यादा आश्चर्य मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान और सिंघम अजय देवगन को लेकर हैं। आमिर खान पॉपुलेरिटी की रेस में रणवीर सिंह से भी पीछे हैं। उनका नंबर इस सूची में 7वां है। अजय देवगन तो कार्तिक आर्यन से भी पीछे चले गए। वो नौवें पाएदान पर हैं। बात करें हीरोइंस की तो आलिया भट्ट ने मोस्ट पॉपुलर हीरोइन नंबर वन का ताज अपने नाम किया है। उनके बाद दीपिका पादुकोण रहीं, जिन्होंने इस साल की दो ब्लॉक बस्टर मूवीज पठान और जवान में अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज करवाई। तीसरे नंबर पर टाइगर 3 की हीरोइन कैटरीना कैफ रही, वहीं चौथा और पांचवां नंबर क्रमश: कियारा आडवाणी और कृति सेनॉन का रहा।

टॉप टेन हीरो

- शाहरुख खान
- सलमान खान
- अक्षयकुमार
- रणबीर कपूर
- ऋतिक रोशन
- रणवीर सिंह
- आमिर खान
- कार्तिक आर्यन
- अजय देवगन
- सिद्धार्थ मल्होत्रा

टॉप टेन हीरोइंस

- आलिया भट्ट
- दीपिका पादुकोण
- कैटरीना कैफ
- कियारा आडवाणी
- कृति सेनॉन
- श्रद्धा कपूर
- करीना कपूर खान
- प्रियंका चौपड़ा
- एश्वर्या रॉय
- अनुष्का शर्मा

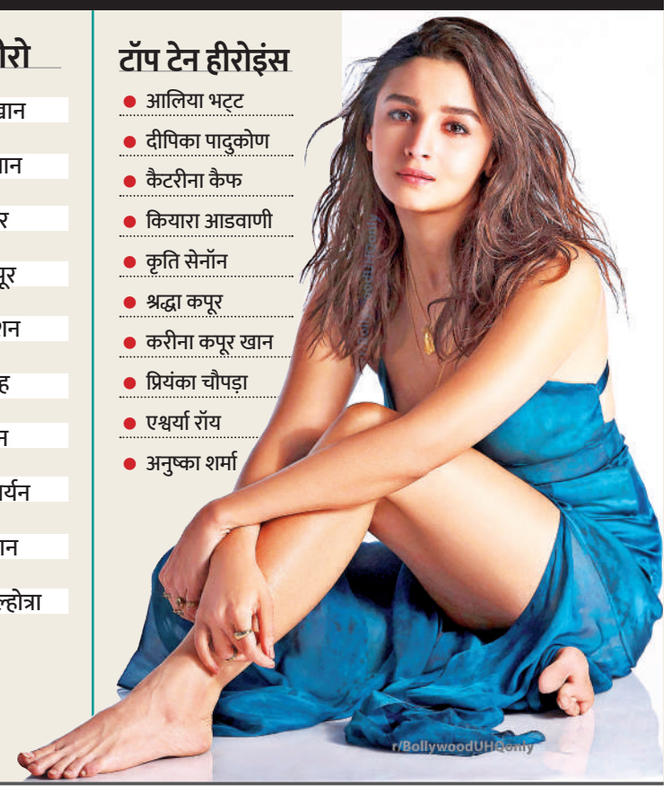

रजनीकांत और बिग बी एक बार फिर नजर आएंगे साथ में

बेधड़क. जयपुर। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत और बॉलीवुड के बिग बी अमिताभ बच्चन एक फिर से स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। दोनों सुपरस्टार 32 साल बाद एक साथ कोई फिल्म करने जा रहे हैं। यह मूवी है वेट्टैयन। रजनीकांत स्टारर इस मूवी में अमिताभ बच्चन एक इंपोर्टेंट कैरेक्टर करने जा रहे हैं। यह रजनीकांत की 170वीं फिल्म है। पहले इसका टेंटेटिव टाइटल थलाइवर170 था। रजनीकांत के बर्थ डे पर बुधवार को मेकर्स ने इसका टाइटल टीजर रिलीज कर इसका नाम रिवील किया 'वेट्टैयन'। मूवी के लेखक और निर्देशक टीजे ज्ञानवेल हैं। इस मूवी से पहले ये दोनों सुपरस्टार हम, अंधा कानून और गिरफ्तार जैसी हंदी मूवीज में एक साथ काम कर चुके हैं। ये सभी फिल्में सुपरहिट रही थीं। ऐसे में फैंस एक बार फिर से सुपरस्टार रजनीकांत और बिग बी अमिताभ बच्चन को एक साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं। फिल्म में फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, किशोर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश और रमेश थिलक भी सहयोगी कलाकारों के रूप में नजर आएंगे।

मार्च में होगी रामायण की शूटिंग

बेधड़क. जयपुर। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो नितेश तिवारी की रामायण मार्च की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी। तिवारी के यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट जितना बड़ा है उतनी ही बड़ी इसकी कास्ट भी है। फिल्म में राम की भूमिका में रणबीर कपूर नजर आएंगे। रणबीर कपूर की हाल ही रिलीज हुई एनिमल बॉक्स पर गदर मचाए हुए है। इस मूवी में रणबीर अल्फा बॉय के रूप में नजर आ रहे हैं। उनका लुक और कैरेक्टर लोगों को खासा पसंद आ रहा है। फिल्म ने 12 दिन में 755 करोड़ 60 लाख रुपए का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है। वहीं साउथ की सुपर हीरोइन सई पल्लवी मां सीता का किरदार निभाएंगी। सबसे बड़ा सरप्राइज रावण हैं। इस कैरेक्टर को कन्नड़ सुपरस्टार यश प्ले कर रहे हैं। ये यश वही हैं जिन्होंने केजीएफ और केजीएफ में रॉकी भाई के रूप में बड़े पर्दे पर आग लगा दी थी। हालांकि, यह नितेश तिवारी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। सब्जेक्ट भी सदाबहार है, लेकिन पिछले दिनों ओम राउत के निर्देशन में बनी मूवी आदिपुरुष के फ्लॉप हाने के बाद उन्हें काफी संभलकर कदम उठाने की जरूरत है।

City इवेंट्स

17 दिसंबर को आएगा बघीरा का टीजर

बेधड़क. जयपुर। रोअरिंग स्टार के नाम से फेमस एक्टर श्रीमुरली की नई मूवी आने वाली है। इसका टाइटल बघीरा है। मेकर्स ने बुधवार को इसके टीजर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। बघीरा की टीजर 17 दिसंबर को सुबह 9:45 बजे रिलीज होगा। होमबेल फिल्म्स ने सोशल मीडिया हेंडल पर यह जानकारी दी है। इस मूवी की खास बात यह है कि मूवी के प्रोड्यूसर विजय किरांगडुर हैं और फिल्म की कहानी केजीएफ के डायरेक्टर प्रशांत नील ने लिखी है। ये दोनों यश स्टारर ब्लॉकबस्टर मूवी केजीएफ फ्रेंचाइजी से जुडे हैं। प्रशांत नील ने तो दोनों पार्ट को डायरेक्ट किया है। इस मूवी ने यश को सबसे बड़ा पैन इंडिया स्टार बना दिया। ऐसे में प्रशांत नील जब इस मूवी से जुड़े हैं, वो भी राइटर के रूप में तो कुछ तो बड़ा कमाल होने वाला है। इस मूवी का डायरेक्शन किया डी आर सूरी कर रहे हैं।

26 जनवरी को BMCM का टीजर

बेधड़क. जयपुर। खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की अपकमिंग मूवी बड़े मियां छोटे मियां के टीजर की रिलीज डेट की मेकर्स ने घोषणा कर दी है। फिल्म का टीजर गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को आएगा। यह एक एक्शन थ्रिलर है जिसमें साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन खलनायक के रूप में नजर आएंगे। डायरेक्टर अली अब्बास जफर की इस फिल्म में पृथ्वीराज के कैरेक्टर का नाम कबीर होगा। यह एक रोबोटिक साइंटिस्ट है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज करके एक ऐसा रोबोट बना रहा है, जो इंसानों पर काबू पा ले। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ इससे दुनिया को बचाने के लिए भिड़ेंगे। डायरेक्टर अली अब्बास ने पृथ्वीराज को एक स्पेशल लुक दिया है। यह लुक अभी सबसे छिपाकर रखा गया है, ताकि मूवी की रिलीज से पहले इसको लेकर बज बनाया जा सके। पृथ्वीराज सुकुमारन इससे पहले भी कई फिल्मों में विलेन के रूप में आ चुके हैं। जल्द ही वे सालार में प्रभास के सामने मैन वलन के रूप में नजर आने वाले हैं।

डिजिटल क्रांति पर लिखी पुस्तक राज्यपाल को भेंट

ई-गवर्नेंस का उपयोग कर आमजन के जीवन को बना सकते हैं आसान

बेधड़क | जयपुर

शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग डॉ. समित शर्मा ने राज्यपाल कलराज मिश्र से शिष्टाचार भेंट कर अपने द्वारा सामाजिक क्षेत्र में डिजिटल क्रांति पर लिखित पुस्तक भेंट की। पुस्तक में ई-गवर्नेंस का उपयोग कर आमजन के जीवन को आसान बनाने संबंधी जानकारियों को सटीक और सरल भाषा में बताया गया है। डॉ. शर्मा द्वारा पुस्तक के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया गया कि डिजिटलाइजेशन के इस युग में सामाजिक सुरक्षा एवं समाज कल्याण के इस क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग सुशासन के लिए करने संबंधी जानकारियों को इस पुस्तक में 30 विभिन्न नवाचारों के माध्यम से दर्शाया गया है।

उन्होंने बताया कि लाभार्थियों तक लोक सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने, प्रक्रिया सरल बनाने, बाधा मुक्त वातावरण में, भ्रष्टाचार रहित तरीके से गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न सफल तकनीकों का उल्लेख इस पुस्तक में किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस रिकॉग्निशन टेक्निक, मेटा डेटा बेस्ड ऑटो अप्रूवल, चौट बॉट, डीप डेटा एनालिसिस, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स आदि से अनेक ऐसे राजकीय कार्य आईटी के माध्यम से संभव है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव सुबीर कुमार एवं प्रधान विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल भी उपस्थित थे।

दसवें संस्करण की फिल्मों की दूसरी सूची जारी

रिफ में इस बार युवाओं पर फोकस यूथ एवं फिल्म हेरिटेज रहेगी थीम

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) में इस बार युवाओं पर फोकस रहेगा। इसीलिए फेस्टिवल की थीम युथ एवं फिल्म हेरिटेज रखी गई है।

रिफ फिल्म क्लब द्वारा आयोजित फेस्टिवल का यह 10वां संस्करण है जो 27 से 31 जनवरी तक जेम सिनेमा हॉल में आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल मूवीज की दूसरी सूची बुधवार को जारी की गई। इसमें 15 और फिल्मों को आधिकारिक तौर पर रिफ पैनोरमा में चुना गया है। इस तरह अब तक 40 फिल्मों का आधिकारिक तौर पर रिफ पेनोरमा की कॉम्पिटिशन श्रेणी में चुना गया है। फीचर फिल्म श्रेणी में तेगुलु फिल्म प्रेमा विमानम, राजस्थानी फिल्म सुभागी, तेलगु फिल्म मधुरापुडी ग्रामम आने नेनु, हिंदी फिल्म नवरस कथा कॉलेज और तेलुगु फिल्म मंगलवाराम शामिल है। रिफ फिल्म क्लब के मैनेजिंग फेस्टिवल के संस्थापक सोमेन्द्र हर्ष एवं अंशु हर्ष ने बताया कि गैर फीचर फिल्म श्रेणी में हिंदी शॉर्ट फिल्म शी जस्टीफाइड, अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक एल्बम द गोल्डन बॉय, हिंदी शॉर्ट फिल्म रोरिंग व्हिस्पर्स, हिंदी म्यूजिक वीडियो वाटर एंड फायर, अंतरराष्ट्रीय शॉर्ट फिल्म आह-मा : अ टेल ऑफ टू जेनरेशन, रीजनल म्यूजिक वीडियो मैं हूं छोरी राजस्थानी, अंतरराष्ट्रीय शॉर्ट फिल्म अ साइलेंट एस्केप, शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म द फडिंग सफायर, शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म पट्टू स्टोरी ऑफ फैब्रिक, शॉर्ट फिल्म नाज शामिल है।

सेमिनार हरे कृष्ण महामंत्र और भगवद श्लोकों से गूंजा प्राइवेट बैंकिंग सेक्टर

भगवान कृष्ण सबसे अच्छे प्रबंधक और मैनेजमेंट गुरु

बेधड़क | जयपुर

भगवान कृष्ण को सबसे अच्छा प्रबंधक और मैनेजमेंट गुरु कहा जाता है। उन्होंने भगवद गीता के द्वारा कर्म करने की जीवन जीने की मूल्यवान शिक्षाएं दीं। भगवदगीता में उन्होंने भक्ति और अच्छे कर्म के सिद्धांत का प्रचार किया। भगवद-गीता कई महत्वपूर्ण प्रबंधन पाठों को स्पष्ट करती है। कृष्ण के मैनेजमेंट पाठ को करियर में कैसे लेकर आगे बढ़ा जाए इसके लिए हरे कृष्ण मूवमेंट जगतपुरा और जयपुर के एक प्रतिष्ठित बैंक ने एक अनूठी पहल की है।

भगवदगीता से ले सकते हैं मैनेजमेंट लेसन

हरे कृष्ण जयपुर के उपाध्यक्ष अनंत शेष दास ने जयपुर के एक प्रष्ठित बैंक में भगवद गीता की शिक्षाओं पर आधारित एक सेमिनार में बैंक के कर्मचारियों को ये बताया कि कैसे वो भगवदगीता से मैनेजमेंट लेसन ले सकते हैं और अपने प्रोफेशन मे आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में भगवान कृष्ण मैनेजमेंट गुरु के नाम से विख्यात हैं और आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भगवद गीता में बताए गए प्रबंधन के सिद्धांतों को अपना रही है। आज भारत के विश्वविद्यालय, मैनेजमेंट स्कूल और व्यापारिक घराने गीता के मैनेजमेंट सिद्धांतों पर ट्रेनिंग सेशंस आयोजित कर रहे हैं जो अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है।

महामंत्र जप से मिलती है शांति

उपाध्यक्ष अनंत शेष दास ने जयपुर के एक प्रतष्ठित प्राइवेट बैंक के सेमिनार में गीता के श्लोकों के उपदेश के साथ वहां पर कार्य कर रहे प्रोफेशनल्स को हरे कृष्ण महामंत्र का जाप करवाया। महामंत्र का जाप करने के बाद उन्हें एक नई ऊर्जा और आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। उपाध्यक्ष ने बताया कि जीवन में अपना कर्म हुए अगर इस महामंत्र का नियमित रूप से जाप किया जाए तो इसके परिणाम बहुत ही चमत्कारिक होते हैं।

इजराइल ने गाजा में हमास की सुरंगों में भरना शुरू किया समुद्री पानी

बिल से निकलेगा 'लादेन' याह्या सिनवार!

AFP

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइल ने अमेरिका को सूचित किया है कि उसने हमास आतंकवादी समूह के भूमिगत नेटवर्क को बड़े पैमाने पर कमजोर करने के लिए सीमित आधार पर गाजा की कुछ सुरंगों में समुद्री जल भरने का सावधानीपूर्वक परीक्षण शुरू कर दिया है। इस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इजराइली अभी भी इसको लेकर अनिश्चित हैं कि यह काम करेगा या नहीं। गाजा की कई किलोमीटर में फैली इन सुरंगों में हमास के आतंकी छिपे हुए हैं। वहीं हमास का कमांडर याह्या सिनवार भी इन्हीं में छिपा बैठा हुआ है, जिसे मोसाद पूरी ताकत से तलाश रही है। इजराइली अधिकारी ने कहा, 'लेकिन उन्होंने अमेरिका को आश्वासन दिया कि वे केवल उन सुरंगों में इसका परीक्षण कर रहे है जहां उन्हें विश्वास है कि वहां बंधक नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, 'सुरंगों में पानी के संबंध में ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि इनमें से किसी भी सुरंग में कोई बंधक नहीं है, लेकिन मैं इस तथ्य के बारे में नहीं जानता।'

संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम का प्रस्ताव पारित

सेना ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरंग के कई शाफ्ट नागरिक क्षेत्रों के अंदर स्थित थे। 2021 में हमास ने गाजा के नीचे 500 किमी लंबी सुरंगें बनाने का दावा किया था, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह आंकड़ा सटीक था या नहीं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के प्रति व्यापक वैश्विक समर्थन दिखाते हुए गाजा में मानवीय मदद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के वास्ते युद्धविराम की मांग संबंधी प्रस्ताव के लिए अभूतपूर्व संख्या में मत दिए।

भारत सहित 153 देश युद्ध विराम के पक्ष में

वैश्विक निकाय के 193 सदस्यों में से भारत सहित 153 सदस्यों ने प्रस्ताव के समर्थन में और 10 सदस्य देशों ने इसके विरोध में मतदान किया, जबकि 23 अन्य सदस्य अनुपस्थित रहे। यह समर्थन 27 अक्टूबर के उस प्रस्ताव की तुलना में अधिक था, जिसमें 'मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान किया गया था। उस समय प्रस्ताव के समर्थन में 120 और विरोध में 14 मत पड़े थे तथा 45 देश अनुपस्थित रहे था। सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के विपरीत महासभा के प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते, लेकिन सभा द्वारा दिया जाने वाला संदेश दुनिया की राय को दर्शाता है।

भारत पर क्यों लगाया था आतंकी निज्जर की हत्या का झूठा आरोप!

ट्रूडो ने खुद खोला भेद

एजेंसी | ओटावा

भारत-कनाडा गतिरोध के बीच कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या में भारत के खिलाफ सार्वजनिक आरोप इसलिए लगाए थे, क्योंकि तब 'शांति' की जरूरत थी और वह कनाडा के खिलाफ भारतीय मीडिया में चल रही खबरों पर ब्रेक लगाना चाहते थे। कनाडा स्थित सीटीवी न्यूज ने बताया कि भारत में जो कुछ रिपोर्ट किया जा रहा था, उससे ट्रूडो परेशान थे और वह उन पर वह चुप्पी लगाना चाहते थे। सीटीवी ने ट्रूडो के इंटरव्यू के आधार पर ये बातें कही हैं। ट्रूडो सोमवार को साल के अंत में एक साक्षात्कार में कनाडाई प्रेस से बात कर रहे थे।

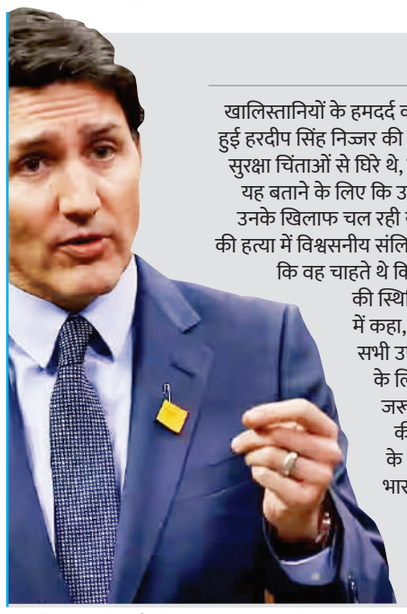

जी-20 शिखर सम्मेलन में ट्रूडो को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इस सम्मेलन से नई दिल्ली से लौटने के बाद उन्होंने 18 सितंबर को कनाडाई संसद में आरोप लगाया था कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारी की संलिप्तता है। इस आरोप के बाद जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय राजनयिक को ओटावा से निष्कासित कर दिया था।

सिख समुदाय चिंता में था

खालिस्तानियों के हमदर्द कहे जाने वाले जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 18 जून को हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से सिख समुदाय के बहुत सारे लोग सुरक्षा चिंताओं से घिरे थे, इसलिए उनकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और यह बताने के लिए कि उनकी सरकार की स्थिति चरम पर है और भारत में उनके खिलाफ चल रही खबरों को रोकने के लिए उन्होंने भारत पर निज्जर की हत्या में विश्वसनीय संलिप्तता के आरोप लगाए थे। ट्रूडो ने जोर देकर कहा कि वह चाहते थे कि कनाडाई लोगों को पता चले कि उनकी सरकार की स्थिति शीर्ष पर है। ट्रूडो ने इस सप्ताह दिए साक्षात्कार में कहा, 'हमने महसूस किया कि सभी शांत कूटनीति और सभी उपायों के तहत समुदाय में लोगों को सुरक्षित रखने के लिए एक और स्तर पर रोकथाम की जरूरत है। यह जरूरत, शायद सार्वजनिक रूप से और जोर से कहने की थी।' तब उन्होंने कहा था, 'हमारे पास यह मानने के विश्वसनीय कारण हैं कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार थी।' बता दें, कनाडाई प्रधान मंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों को भारत के विदेश मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया था और उन्हें बेतुका और प्रेरित करार दिया था।

पोप फ्रांसिस ने अपने अंतिम संस्कार के लिए जताई इच्छा...

मुझे वेटिकन नहीं, बेसिलिका में दफनाएं

एजेंसी | रोम

पोप फ्रांसिस का कहना है कि वह चाहते हैं कि उन्हें अन्य पोप की तरह वैटिकन की गुफाओं में नहीं, बल्कि रोम के सेंट मैरी मेजर बेसिलिका (एक विशेष चर्च) में दफनाया जाए। आम तौर पर पोप को उनके निधन के बाद वैटिकन में दफनाया जाता रहा है।

पोप फ्रांसिस रविवार को 87 वर्ष के हो गए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बावजूद उन्होंने इस साल इस्तीफा देने के बारे में कभी नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि अगले साल उनकी बेल्जियम यात्रा तय है और पोलिनेशिया तथा अर्जेंटीना की यात्रा के बारे में विचार किया जा रहा है। पोप फ्रांसिस ने कहा, "यह सच है कि सभी दौरों पर अब पुनर्विचार किया जा रहा है। यदि वे पास के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो उन्हें किया जा सकता है। यदि वे ज्यादा दूर के क्षेत्र के हैं तो उन पर पुनर्विचार किया जाता है। कुछ सीमाएं हैं।"

पोलैंड के नए प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने ली शपथ

एजेंसी | वारसॉ

पोलैंड के नए प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने बुधवार सुबह आयोजित एक समारोह में पद की शपथ ली, उन्हें राष्ट्रपति ने शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री साथ उनके कई मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। यूरोपीय संघ समर्थित सरकार का शपथ ग्रहण समारोह वारसॉ में स्थित राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसी के साथ 'लॉ एंड जस्टिस पार्टी' के आठ साल के शासन का अंत हो गया। देश में 15 अक्टूबर को चुनाव हुआ था जिसमें कुछ दलों का समूह जीता था। अलग-अलग टिकट पर चुनाव लड़ने वाले इन दलों ने टस्क के नेतृत्व में एक साथ काम करने का संकल्प लिया था ताकि लॉ एंड जस्टिस पार्टी की सरकार द्वारा कथित रूप से नष्ट किए गए लोकतांत्रिक मानदंडों को फिर से बहाल किया जा सके। टस्क और उनके मंत्री पोलैंड के झंडे के रंग से रंगी बस से राष्ट्रपित भवन पहुंचे। टस्क की सरकार ने मंगलवार शाम को संसद में विश्वास मत जीता था।

सबसे पुराना ब्लैकहोल मिल गया

13 अरब साल है उम्र, वैज्ञानिक चौंके

एजेंसी | वॉशिंगटन

सबसे बड़ा ब्लैकहोल मिल गया है। इसे देख वैज्ञानिकों का सिर भी चकरा गया है। यह ब्लैकहोल 13 अरब वर्ष पुराना है, जो लगभग ब्रह्मांड की शुरुआत का समय है।

जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप के अवलोकन से पता चलता है कि बिग बैंग के 44 करोड़ साल बाद ही यह एक गैलेक्सी के केंद्र में था। सूर्य के द्रव्यमान का यह लगभग दस लाख गुना है। शुरुआती ब्लैकहोल के हिसाब से यह आश्चर्यजनक रूप से बड़ा है, जिससे वैज्ञानिक यह सोचने को मजबूर हैं कि यह इतना बड़ा कैसे हो गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकीविद् प्रोफेसर रॉबर्टो मैओलिनो ने इससे जुड़े शोध का नेतृत्व किया।

क्यों खास है यह खोज

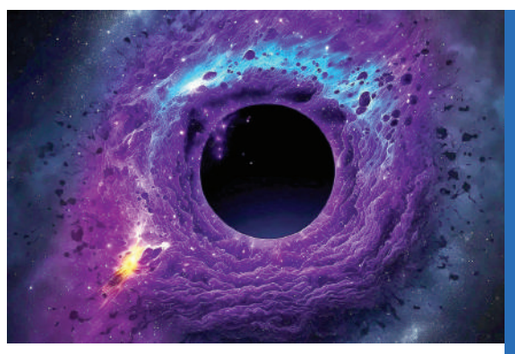

खगोलविदों का मानना है कि शुरुआती ब्लैक होल की स्टडी से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि आकाशगंगाओं के केंद्र में कैसे इन्होंने विशालकाय रूप लिया। जैसे हमारी आकाशगंगा के केंद्र के ब्लैकहोल का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान से अरबों गुना ज्यादा है। अभी तक माना जा रहा था कि गैलेक्सी के केंद्र में ब्लैक होल अपने आसपास के सितारों और अन्य चीजों को निगलने के कारण लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन इस ब्लैकहोल की खोज हमारी समझ को बदल रहा है।

ब्लैकहोल को लेकर रहस्य

जीएन-जेड़11 नामक आकाशगंगा के नवीनतम अवलोकन से इस रहस्य का खुलासा हुआ। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि या तो यह बड़े ही पैदा हुए थे, या फिर बहुत तेजी से फूल गए। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के ब्रह्मांडविज्ञानी प्रोफेसर एंड्रयू पोंटजेन ने कहा, 'यह समझना की ब्लैकहोल कहां से आए, हमेशा से एक पहेली रही है, लेकिन अब यह पहेली गहरी होती जा रही है। जेम्स वेब टेलिस्कोप ने हमें समय में पीछे झांकने में मदद की है। इससे हमें पता चला कि कुछ ब्लैक होल शुरुआती ब्रह्मांड में तेजी से बढ़े।'

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl